# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 264

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

भिलाई, सोमवार 11 जुलाई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास खबर

### मॉर्निंग वॉक पर निकले शिक्षक की पेड़ पर लटकती मिली लाश पत्नी भी हैं शिक्षिका, भाई डिप्टी कलेक्टर

**बालोद।** मॉर्निंग वॉक पर निकले शिक्षक की पेड़ पर लटकती लाश मिली है। शिक्षक की पत्नी भी उन्हीं के स्कूल में शिक्षिका हैं। व शिक्षक छोट भाई जगदलपुर में डिप्टी कलेक्टर है।

मिली जानकारी के अनुसार, देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भड़ेराभाठा में शिक्षक सरोज कुमार रावटे रहते हैं। वह और उनकी पत्नी फरडफोड़ स्कूल में शिक्षक-शिक्षिका के रूप में पदस्थ है। आज रविवार होने की वजह से स्कूलों की छुट्टी थी। सुबह शिक्षक सरोज रावटे मॉर्निंग वॉक के नाम से घर से निकले थे। काफी समय तक जब वह वापस नही आये तो उनकी तलाश गांव वालों ने की। तब उनकी लाश गांव के बाहर डेम के पास बबूल के पेड़ से लटकी हुई मिली। देवरी पुलिस इसकी जांच कर रही है। शिक्षक सरोज रावटे के छोटे भाई गोकुल रावटे जगदलपुर में डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदस्थ हैं।

पहाड़ से लेकर मैदान तक कुदरत का कहर

# बारिश और बाढ़ से कई राज्यों में तबाही, उफान पर नदियां

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के कई राज्यों में आसमान जमकर बरस रहा है। भारी बारिश के चलते गुजरात, महाराष्ट्र, असम समेत कई राज्यों में तबाही का मंजर है। असम में बाढ़ ने तो सैकड़ों जिंदगी लील ली है। गुजरात में भारी बारिश की धार में कई सड़कें और पुल बह गए। कई राज्यों में लोग बेघर हो गए। कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तो कई खतरे के निशान के करीब हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने गुजरात, महाराष्ट्र के अलावा मध्य मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, उत्तरी तेलंगाना, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर,केरल, मराठवाड़ा, दक्षिणपूर्व राजस्थान में भी भारी बारिश हो सकती है।

तेलंगाना के भद्राचलम में लगातार भारी बारिश के बाद गोदावरी नदी उफन पड़ी है। तेलंगाना राज्य के मुख्य सचिव

सोमेश कुमार ने जिला कलेक्टरों को अलर्ट रहने को कहा है।

गुजरात के नवसारी और वलसाड जिले में 700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहीं, छोटा उदयपुर जिले में लगातार भारी बारिश से पुल का एक हिस्सा गिर गया। जबकि गुजरात के तापी जिले के पांचोल और कुम्भिया गांवों को जोड़ने वाला पुल बारिश की धार में बह गया। दक्षिण गुजरात के कई हिस्सों में नदियां खतरनाक स्तर को पार कर चुकी हैं इस कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है। नवसारी और वलसाड जिले में 700 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वहीं, छोटा उदयपुर जिले में लगातार भारी बारिश से पुल का एक हिस्सा गिर गया।

भारी बारिश के बीच आईएमडी ने रविवार को केरल के चार जिलों में दिनभर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। आईएमडी ने शाम 4 बजे उत्तरी केरल के जिलों कोझीकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। आईएमडी ने तिरुवनंतपुरम और कोल्लम को छोड़कर शेष सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के चौपाल में भारी बारिश के बाद चार मंजिला इमारत ढह गई। इस इमारत में बैंक से लेकर कई दुकानें थीं। अमरनाथ गुफा मंदिर के पास भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या 16 हो गई। कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने रविवार को कहा कि एक जून से महाराष्ट्र में बारिश से संबंधित घटनाओं में कुल 76 लोगों की मौत हुई है और उनमें से नौ की मौत पिछले 24 घंटों में हुई है। महाराष्ट्र के नाशिक शहर में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई है। कई जगह बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं।

कोयला व्यापारी का दावा, रेड के दौरान आईटी अधिकारी बोला-

# साथ दो बन जाओगे छत्तीसगढ़ के 'एकनाथ शिंदे'

**रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग ने हाल ही में एक कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी के परिसर की तलाशी ली। कारोबारी ने दावा दिया है कि आयकर अधिकारियों ने उन्हें छत्तीसगढ़ का एकनाथ शिंदे बनने का दबाव डाला। वहीं इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक वीडियो संदेश में व्यापारी सूर्यकांत तिवारी ने दावा किया कि छापे के दौरान आईटी के अफसर बार-बार उन पर ये दबाव बना रहे थे कि वह सीएम हाउस से जुड़े अधिकारी का नाम लें तो वह छत्तीसगढ़ के एकनाथ शिंदे बन सकते हैं। यानि छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री।

### कांग्रेस ने लगाए भाजपा पर आरोप

वहीं इन आरोपों से घिरी विपक्षी भाजपा ने कहा कि तिवारी का बयान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कहने पर दिया गया है जो निराधार है। दूसरी ओर, कांग्रेस ने कहा कि भाजपा छत्तीसगढ़ में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। जैसा कि उनसे कर्नाटक, एमपी, मणिपुर और महाराष्ट्र में किया।

### मुख्यमंत्री बनने की पेशकश की

व्यापारी सूर्यकांत तिवारी ने कहा कि मैं कभी-कभी उनसे फोन पर बात करता हूं। वह एकमात्र अधिकारी नहीं हैं जिनके साथ मेरे अच्छे संबंध हैं, लेकिन भाजपा शासन और मौजूदा सरकार दोनों में कई अधिकारियों से मेरे साथ अच्छे संबंध हैं। लेकिन आईटी अधिकारी चाहते थे कि मैं उन्हें फंसाऊं और इसलिए उन्होंने मुझे सरकार गिराकर मुख्यमंत्री बनने की पेशकश की।

### सीएमओ में तैनात अधिकारी को फंसाने को कहा

उन्होंने वीडियो में कहा कि उन्होंने मुझे किसी भी तरह सीएमओ में तैनात उप सचिव सौम्या चौरसिया को मेरे व्यवसाय से जोड़ने और उनके खिलाफ बयान देने के लिए मजबूर किया। लेकिन सीएम के उप सचिव का मेरी व्यावसायिक गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है, फिर मैं उन्हें क्यों फंसाऊं? उन्होंने चौरसिया के साथ पारिवारिक संबंध होने की बात स्वीकार की और कहा कि जब भी वह सार्वजनिक कार्यों के लिए सीएम कार्यालय जाते हैं तो वह उनसे मिलते हैं।

### शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया

आगे वे कहते हैं कि मुख्यमंत्री बनाने का प्रलोभन देते हुए आईटी अफसर बोले उनके 40-45 विधायकों के साथ संबंध है, वो उन्हें लेकर छत्तीसगढ़ में तख्ता पलट कर दें। एकनाथ शिंदे की तरह उन्हें छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। सूर्यकांत तिवारी ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य के सीएमओ में तैनात एक सरकारी अधिकारी को गलत बयान देकर फंसाने से इनकार करने के बाद उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया जबकि रेड के दौरान ऐसा कुछ नहीं किया जाता। लेकिन मेरे घर घुसकर आईटी रेड के दौरान, आईटी अधिकारियों ने मुझे और मेरे परिवार के सदस्यों को धमकाया। उन्होंने मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और तीन दिन तक सोने भी नहीं दिया।

महमरा एनीकट के पास प्रवाह में गुम बालक का कोई सुराग नहीं

# पानी के अंदर कैमरा डालकर हो रही तुषार की तलाश

### शिवनाथ नदी में उतरी जांजगीर में राहुल को बचाने वाली टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** शिवनाथ नदी के महमरा एनीकट के पास पानी के तेज प्रवाह में गुम बालक तुषार साहू का 28 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उसकी तलाश में आज जांजगीर में बोरवेल में गिरे राहुल को बचाने वाली एनडीआरएफकी टीम पूरे जरुरी संसाधनों के साथ नदी में उतर गई है। टीम के द्वारा पानी के अंदर कैमरा डालकर बालक तुषार की तलाश की जा रही है।

दोस्तों के साथ शिवनाथ नदी के एनीकट पार करते समय पंचशील नगर दुर्ग निवासी 14 वर्षिय तुषार साहू रविवार की सुबह 10 बजे के आसपास हादसे का शिकार हो गया है। तुषार अपने चार अन्य दोस्तों के साथ एनीकट पार कर रहा था। जबकि एनीकट पर देढ़ से दो फीट ऊपर पानी बह रहा था। इस दौरान पांचों बालक अनियंत्रित होकर नदी में गिर पड़े। गोताखोरों ने किसी तरह चार बालकों को बाहर निकाल लिया। लेकिन तुषार गहरे पानी में खो गया।? हादसे के बाद विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल मौके पर पहुंचे। उन्होंने जिला प्रशासन को तुषार की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ने का निर्देश दिया।

इसी कड़ी में आज एनडीआरएफकी टीम ने तुषार की तलाश शुरू कर दिया है। यह वही टीम है जिसने जांजगीर जिले में बोरवेल में गिरे राहुल का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन किया था। यह टीम शिवनाथ नदी में गिरकर गुम हो गए तुषार की तलाश पानी में कैमरा डालकर कर रही है। शहर विधायक अरुण वोरा सहित मौके पर जिला व पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहकर तलाश में जुटी टीम का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

### लगातार हादसों के बाद भी सबक नहीं

महमरा एनीकट पर लगातार जानलेवा हादसे हो रहे हैं। इसके बाद भी लोग सबक लेने का नाम नहीं ले रहे हैं। जल संसाधन विभाग ने एनीकट के मुहाने पर पोस्टर लगाकर ऊपर से पानी बहने की स्थिति में एनीकट को पार नहीं करने को लेकर आगाह किया है। लेकिन रोक टोक करने वाला कोई नहीं रहने से? बच्चों के साथ साथ बड़े लोग भी खतरों से खेलकर एनीकट पार करते हैं। बारिश होने पर भिलाई - दुर्ग के अनेक नौजवान महमरा एनीकट का नजारा लेने पहुंचते हैं। इस दौरान मोबाइल फोन पर सेल्फी पोज लेने के दौरान भी हादसे की संभावना बनी रहती है।

# बालोद में हाथियों का उत्पात, फसलों को रौंदा, मकान भी तोड़े, कलेक्टोरेट के नजदीक पहुंचे हाथी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बालोद।** जिले में रविवार रात को हाथियों का उत्पात देखने को मिला। वन विभाग के अलर्ट के बाद लोग तो अलर्ट हो गए लेकिन हाथियों ने मकानों व फसलों को नुकसान पहुंचाया। रविवार की रात हाथियों ने बालोद वन परिक्षेत्र के तालगांव परिसर में तबाही मचाई। वन विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार हाथियों का यह दल जिला कलेक्टोरेट से महज 2 किमी की दूरी पर मौजूद है और किसी भी समय बड़ी घटना की संभावना जताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बालोद में बीते दो दिनों से हाथियों का खतरा बना हुआ है। यहां के बालोद वन परिक्षेत्र में लगभग 23 से 24 हाथी घूम रहे हैं। दो दिन तो किसी प्रकार के नुकसान की बात सामने नहीं आई लेकिन रविवार को हाथियों ने फसलों को चौपट किया और एक गरीब का घर तोड़ दिया। हाथियों ने तालगॉव के रहने वाले राधेलाल का कच्चा मकान तोड़ दिया। वहीं आसपास के खेतों में घुसकर जमकर उत्पात मचाया।

हाथियों की दहशत के कारण सियादेवी मार्ग को भी ब्लॉक कर दिया गया है। सियादेवी मंदिर जाने वाले मार्ग के आसपास ही हाथियों ने अपना डेरा डाला है। वन विभाग की टीम भी लगातार निगरानी कर रही है।

# अंतिम संस्कार के बाद दिल्ली से लौटे परिजनों पर की गई पुष्प वर्षा, गूंजा लेफ्टिनेंट कर्नल कपिल देव पाण्डेय अमर रहें का नारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल कपिल देव पांडेय के परिवारजन दिल्ली से रविवार को भिलाई लौटे। इस दौरान माना एयरपोर्ट रायपुर से निवास स्थान नेहरू नगर तक शहरवासियों ने शहीद पांडेय को अपनी पुष्पाजंलि दी। सभी प्रमुख चौकों पर अलग-अलग समूह में एकत्रित नागरिकों ने शहीद के सम्मान में नारेबाजी करते हुए परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल कपिल देव पांडेय का अंतिम संस्कार सैन्य सम्मान के साथ दिल्ली में किया गया। दिल्ली से उनकी पत्नी छवि पांडेय, माता कुसुम पांडेय, बहन भावना पांडेय, कंचन अग्रवाल, जीजा प्रदीप अग्रवाल, सास सुमन अरोरा और पुत्र अभिराज व अबीर रविवार को नियमित विमान से रायपुर माना एयरपोर्ट पहुंचे। शहीद परिवार के आगमन की सूचना शहरवासियों

को पहले से थी। माना एयरपोर्ट में एक्स सर्विसमैन वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश मिश्रा रायपुर, दुर्ग अध्यक्ष हरप्रीत सिंह पूर्व सैनिक व कांग्रेस नेता अरूण सिंह सिसोदिया की अगुवाई में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित थे। शहीद कपिल देव पांडेय के प्रति पुष्पाजंलि अर्पित की। माना एयरपोर्ट से शहीद के परिजनों को लेकर भिलाई के लिए शहरवासियों का काफिला निकला।

खुर्सीपार में रामजन्मोत्सव समिति की ओर से रोहित तिवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आरती उतारकर शहीद परिवार का सम्मान किया। युवाओं ने शहीद कपिल देव पांडेय की माता कुसुम पांडेय से आशीर्वाद प्राप्त किया। युवाओं ने शहीद कपिल देव पांडेय अमर रहे और भारतमाता की जयघोष से वातावरण को देशभक्तिपूर्ण बना दिया था। सुपेला चौक पर न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर एवं स्टील सिटी प्रेस क्लब के सदस्यों ने भी शहीद परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त किया। शहीद कपिल देव पांडेय को पुष्पाजंलि दी। इस अवसर पर पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा ने भी अपने साथियों के साथ पांडेय परिवार से मुलाकात कर भावजंलि अर्पित की। इस मौके पर विनय चौबे, गुड्डन चौहान विशेष रूप से मौजूद थे। सुपेला चौक में ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय संस्थान सेक्टर-7 के कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर पुष्पाजंलि दी। नेहरू नगर अग्रसेन चौक में नेहरू नगर रेसीडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष देवेंद्र भाटिया, शपथ फाउंडेशन के अशोक गुप्ता, पूर्व एल्डरमेन शमशेर बहादुर, पूर्व पार्षद आरजे सिंह, स्वप्निल जैन ने पांडेय परिवार से मिलकर पुष्पाजंलि भेंट की।

### कलेक्टर व एसपी ने दी पुष्पांजलि

नेहरू नगर निवास स्थान पर परिवार के पहुंचने के बाद कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा और एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारियों ने भी शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल कपिल देव पांडेय को पुष्पाजंलि अर्पित की। कलेक्टर और एसपी ने परिजनों से भेंटकर ढांढस बंधाया। कांग्रेस और भाजपा के अनेक जनप्रतिनिधियों ने भी पहुंचकर शहीद लेफ्टिनेंट कर्नल कपिल देव पाण्डेय की शहादत को नमन किया।

# धरती पर बढ़ रहा इंसानी आबादी का बोझ

दीपक रंजन दास

आज विश्व जनसंख्या दिवस है। आबादी का बोझ अकेले भारत में नहीं बल्कि पूरी दुनिया में बढ़ रहा है। कभी 10-12 बच्चे पैदा करने वाले परिवार अब एक या दो बच्चे पैदा कर रहे हैं पर आबादी बढ़ती ही चली जा रही है। हम दो-हमारे दो का फलसफा भी अब इसका कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा है। कुछ लोग इसके लिए एक खास समुदाय के लोगों को जिम्मेदार मान रहे हैं ङ्क पर यह सही नहीं है। आबादी में उनका हिस्सा बढ़ रहा है तो इसका कारण कुछ और है। पर यहां बात आबादी की हो रही है। दरअसल इस आबादी का परिवार नियोजन की जागरूकता से कोई लेना देना नहीं है। पिछले कुछ दशकों में चिकित्सा विज्ञान ने काफी प्रगति की है। विकास की गाड़ी भी तेजी से आगे बढ़ी है। संस्थागत प्रसव बढ़े हैं, जच्चा बच्चा देखभाल की सुविधाएं बढ़ी हैं। मातृत्व देखभाल की योजनाएं फलीभूत हुई हैं। इधर बेहतर भोजन और स्वास्थ्य सुविधाओं के चलते जीवन प्रत्याशा भी बढ़ी है। इसका कुल नतीजा यह निकला है कि जच्चा-बच्चा मृत्यु के मामलों में कमी आई है और बीमारियों से मरने वालों की संख्या भी कम हुई है। नवजात मृत्यु दर (आईएमआर) की बात करें तो यह 2022 में 27.69 प्रति हजार जीवित प्रसव हो गई। 2021 के मुकाबले यह 3.74 प्रतिशत कम है जब प्रति हजार जीवित प्रसव में 28.771 नवजातों की मौत हो जाती थी। 1981 में यह दर 9.7 थी। मातृत्व मृत्यु दर में भी तेजी से कमी आई है। 2016-18 के बीच यह दर 113 प्रति एक लाख प्रसव थी जो 2014-16 के बीच 130 प्रति एक लाख प्रसव थी। इसी तरह जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। वहीं दूसरी तरफ बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के चलते जीवन प्रत्याशा भी बढ़ रही है। 2021 में औसत जीवन प्रत्याशा 69.9 वर्ष थी। यानी लोग औसतन लगभग 70 वर्ष जीते थे। 2022 में यह दर बढ़कर 70.19 वर्ष हो गई। इसमें लगभग 0.33 प्रतिशत का सुधार हुआ। सन् 2000 में यह दर 62.28। अर्थात एक तो जन्म के समय होने वाली जच्चा-बच्चा की मौत के मामलों में कमी आ रही है, वहीं दूसरी तरफ लोग ज्यादा सालों तक जी रहे हैं। अब तो आबादी रोकने या उसे रिवर्स गीयर में डालने का केवल एक ही रास्ता बचा है। लोग शादियां न करें और करें भी तो बच्चे न पैदा करें। वैसे भी देश में अब अविवाहित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। बड़ी संख्या में युवा शादी न करने का फैसला कर रहे हैं। हालांकि 32-35 साल की उम्र के बाद इनमें से अधिकांश अपना संकल्प तोड़ रहे हैं। पर यह ट्रेंड अब बढ़ता जा रहा है। अविवाहित लोगों की सफलता इन्हें प्रेरित कर रही है।

# लिज़्तोमेनिया क्लब में छापा: रात 12 बजे के बाद खुला मिला क्लब, छलकाए जा रहे थे जाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भिलाई के सूर्या मॉल में संचालित लिज़्तोमेनिया क्लब एंड किचेन में देर रात 1-2 बजे तक पार्टी अरेंज करके शराब परोसी जाती थी। इसका खुलासा तब हुआ जब आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार देर रात यहां छापेमारी की। यहां रात 12.30 बजे के बाद भी क्लब के अंदर लोग डांस करने के साथ शराब पीते मिले। आबकारी एक्ट की धज्जियां उड़ाते पकड़े जाने के बाद भी आबकारी अधिकारियों ने खानापूर्ति करके क्लब संचालक को छोड़ दिया। आबकारी विभाग के ही एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें जिले के नए कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने आबकारी उपायुक्त नोहर सिंह ठाकुर को कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने उन्हें निर्देश दिया कि रात 12 बजे के बाद भी क्लब के अंदर शराब परोसी जा रही है। कलेक्टर के निर्देश पर आबकारी अधिकारियों की संयुक्त टीम बनी। टीम ने शनिवार देर रात 12.30 बजे लिज़्तोमेनिया क्लब में छापेमारी की। जब आबकारी विभाग की टीम वहां पहुंची तो बाहर से दरवाजा बंद था और लाइट भी ऑफ थी। मॉल के बाहर सैकड़ों की संख्या गाड़ियां पार्क थीं। इस पर आबकारी अधिकारी क्लब के अंदर पहुंचे वहां लड़के लड़कियां डांस करते और शराब पीते मिले। इस पर आबकारी विभाग ने क्लब को बंद कराया। क्लब संचालक को निर्देशित किया अगर दोबारा ऐसा पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

## संपादकीय

# कम हो हानि

श्रीलंका का संकट अभूतपूर्व और दुखद है। इसकी गिनती चंद वर्ष पहले तक दुनिया के खुशनुमा देशों में होती थी। कुछ सामाजिक पैमानों पर यह छोटा देश भारत से भी आगे रहा है। आतंकवाद के दौर में भी कभी श्रीलंका को ऐसी मुसीबत में नहीं देखा गया। 9 जुलाई को राष्ट्रपति भवन पर लोग विरोध के लिए उमड़ आएंगे, यह आशंका पहले से थी। सप्ताह के बाकी दिनों में किसी न किसी तरह से रोजी-रोटी की जुगाड़ में जुटे लोग शनिवार और रविवार को ही अपने मन की बात पूरी तरह से कहने में सक्षम हो पा रहे थे। तो इस शनिवार को लोगों ने मानो तय कर रखा था कि राष्ट्रपति भवन पहुंचकर इस्तीफा ले लेना है। खतरा देख राष्ट्रपति गोटाबाया पहले ही निकल चुके थे, तो लोगों ने सुरक्षाकर्मियों के साथ थोड़ी-बहुत झड़प के बाद राष्ट्रपति भवन पर एक तरह से कब्जा कर लिया। उपद्रव या विद्रोह के इस पक्ष को देखकर दुनिया दंग थी, लेकिन देर शाम प्रधानमंत्री के निजी आवास को जिस तरह से लोगों ने आग के हवाले किया, उससे चिंता बढ़ गई। 10 जुलाई को पुलिस सक्रिय हुई है और सेना भी सामने आने लगी है। विद्रोह को काबू में करने के लिए सैन्य अधिकारियों का मुखर होना जहां एक ओर स्वाभाविक लगता है, तो वहीं दूसरी ओर, यह चिंता भी सताती है कि कहीं यह देश हिंसा के नए दौर में न प्रवेश कर जाए।

> अंतरिम सरकार में ऐसे नेता शमिल हों, जो तेजतर्रार, कुशल प्रशासक और नवाचार से भरपूर हों। अगर अच्छे नेताओं को आगे लाकर सर्वदलीय सरकार का गठन होता है, तो श्रीलंका के लिए इससे अच्छी बात और क्या होगी? अब सभी दलों को मिलकर आगे की राह तय करनी चाहिए। वाकई, यह श्रीलंका के लिए राजनीति कम और काम ज्यादा का समय है।

श्रीलंका में संयम समय की मांग है, लेकिन उससे लोगों की जरूरतें पूरी नहीं होतीं। लोगों की इच्छाओं और उम्मीदों को समझने की जरूरत है। गोटाबाया राजपक्षे को भी यह एहसास है, क्योंकि अगर वह सेना को आदेश देते, तो सेना 9 जुलाई को राष्ट्रपति भवन पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा नहीं होने देती। खूनखराबा श्रीलंका ने पहले भी देखा है, लेकिन गोटाबाया ने शुरुआती रूप से हिंसा से बचने के लिए जो संयम बरता है, उसकी कुछ सराहना होनी चाहिए। उनकी अभी भी जिम्मेदारी है और आगे भी रहेगी कि देश में शांति रहे। देश को आतंकवाद से निकालने में उनका योगदान है, तो देश को नई हिंसा या उपद्रव में डालते हुए उन्हें कतई पद से विदा नहीं होना चाहिए। फिलहाल श्रीलंका में सेना को कानून-व्यवस्था बहाल रखने तक ही अपनी भूमिका निभानी चाहिए। प्रदर्शन की आड़ में असामाजिक तत्वों का दुस्साहस न बढ़े, यह सुनिश्चित करने का निर्देश पुलिस और सेना को दिया जाना चाहिए। लोग राष्ट्रपति भवन से निकल जाएं, किसी सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान न पहुंचे, यह सुनिश्चित होना चाहिए। अमेरिका ने श्रीलंका के नेताओं से बिल्कुल सही कहा है, नेता लोगों के असंतोष को जल्दी से जल्दी दूर करें।

श्रीलंका के प्रति सजग देशों को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के जरिये ही मदद पहुंचाने की सम्मिलित कोशिश करनी चाहिए। जो भी सरकार बने, वह अपनी नीतियों को अंतरराष्ट्रीय नीतियों के अनुरूप बनाए, ताकि विदेशी निवेश और विदेशी मदद के लिए राह खुल जाए। अंतरिम सरकार में ऐसे नेता शमिल हों, जो तेजतर्रार, कुशल प्रशासक और नवाचार से भरपूर हों। अगर अच्छे नेताओं को आगे लाकर सर्वदलीय सरकार का गठन होता है, तो श्रीलंका के लिए इससे अच्छी बात और क्या होगी? अब सभी दलों को मिलकर आगे की राह तय करनी चाहिए। वाकई, यह श्रीलंका के लिए राजनीति कम और काम ज्यादा का समय है।

**अब जो भी सरकार बनेगी, उसे मित्र देशों से ही गुहार लगानी पड़ेगी, ताकि उपद्रव या लोगों के सड़कों पर उतरने की मजबूरी खत्म हो। श्रीलंका में जो हुआ है, उस पर दुनिया के बड़े लोकप्रिय नेताओं को भी गौर करना चाहिए। आर्थिक स्थिति अगर बिगड़ जाए, अगर लोगों को अपनी जरूरत भर का सामान भी न मिले, तो राजनीतिक-सांस्कृतिक लोकप्रियता पलक झपकते खत्म हो जाती है।**

# आज दुनिया के लिए सबक है श्रीलंका

स्मृति एस पटनायक, रिसर्च फेलो, आईडीएसए

जब समस्याएं हद से पार हो जाती हैं, तब लोगों के पास और कोई चारा नहीं बचता है। श्रीलंका में यही हुआ, गुस्साए लोग आगे बढ़े और राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के आवासों, दफ्तरों पर कब्जा कर लिया। कितने ऐशो-आराम से उनके राष्ट्रपति रह रहे थे, यह लोगों ने देखा और दुनिया को भी दिखाया। यह विडंबना ही है कि आम लोग पेट्रोल और गैस की लंबी कतारों में घंटों खड़े होने को मजबूर हैं, लेकिन उनके बीच राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे की परस्पर हंसने-बतियाने की तस्वीरें वायरल हो रही थीं। लोग भड़क गए कि जहां हम जरूरी चीजों के लिए तरस रहे हैं, वहीं हमारे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को परस्पर हंसी-मजाक सूझ रहा है? राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को आखिर जनता क्यों चुनती है? वैसे श्रीलंका में विरोध प्रदर्शन काफी पहले से चल रहे थे, लेकिन लोग इस बात से खास क्रोधित थे कि महिंदा राजपक्षे ने तो प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने इस्तीफा नहीं दिया। पद भी नहीं छोड़ रहे और देश की स्थितियों को भी नहीं सुधार रहे हैं। जनता कितनी नाराज है, इसकी जानकारी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को थी, शायद इसीलिए परिवार सहित उन्होंने अपना आवास खाली कर दिया था। जब लोग कब्जा करने आए, तब सुरक्षाकर्मियों ने भी रोकने के लिए कुछ खास नहीं किया। लोगों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि सरकार घुटने टेकने को मजबूर हो गई। प्रधानमंत्री ने तो मजबूर होकर जल्दीबाजी में इस्तीफा दे दिया है और अब चाहते हैं कि अगले प्रधानमंत्री के आने तक वह पद पर बने रहें, ताकि खासकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ चल रही बातचीत न रुके। उनका कहना है कि अगर श्रीलंका में कोई सरकार ही नहीं रहेगी, तो मदद लेने के सारे प्रयास एकाएक थम जाएंगे। इधर, राष्ट्रपति गोटाबाया ने तत्काल इस्तीफा नहीं दिया, पर किसी अज्ञात स्थान से उन्होंने सूचना दी है कि वह 13 जुलाई को इस्तीफा देंगे, जबकि लोग तत्काल उनका इस्तीफा चाहते हैं। श्रीलंकाई संसद के अध्यक्ष ने दोनों को फौरन इस्तीफा देकर अगली सर्वदलीय सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ करने को कहा है।

राजपक्षे परिवार के पास अब कोई रास्ता नहीं बचा है, श्रीलंका की राजनीति में फिलहाल के लिए उनका समय लद चुका है। उनके परिवार की अगली पीढ़ी को शून्य से शुरुआत करनी पड़ेगी। वर्ष 2009 के बाद से ही यह परिवार श्रीलंका में बहुत लोकप्रिय बना हुआ था, यहां तक कि साल 2019 के चुनाव में इन्हें लोगों ने बहुत पसंद किया था। देश को आतंकवाद से मुक्ति दिलाने का श्रेय महिंदा राजपेक्ष को दिया जाता है। अति-राष्ट्रवादी राजपक्षे से लोगों को बड़ी उम्मीदें थीं। उन्होंने बड़े-बड़े वादे भी किए थे। लोक-लुभावन नीतियों के तहत बड़े पैमाने पर करों में रियायत दी गई थी। लोगों को खुश करने और आत्मनिर्भर देश बनाने की कोशिश में बुनियादी कमियों या सरकार चलाने की औपचारिकताओं को राजपक्षे भूलते जा रहे थे। दुनिया के लिए श्रीलंका आज सबक है। कृषि और पर्यटन पर यह देश निर्भर रहा है। अत्यधिक उत्साह में ऑर्गेनिक खेती को अनिवार्य बनाया गया। रासायनिक खेती के लिए बाहर से उर्वरक मंगवाने में विदेशी मुद्रा खर्च हो रही थी। देश में ऑर्गेनिक खेती की शुरुआत हुई, लेकिन उत्पादन न निर्यात के योग्य हुआ और न देश की जरूरतें पूरी हुईं। कोरोना महामारी ने पर्यटन क्षेत्र को भी चौपट कर दिया। आय के स्रोत बंद हो गए, तो मदद की जरूरत पड़ी, लेकिन कोई भी देश कितनी मदद कर सकता है? हर किसी की अपनी अर्थव्यवस्था है। जो देश श्रीलंका को पैसे देगा, वह उम्मीद भी करेगा, पर क्या श्रीलंका में लौटाने की क्षमता है?

यहां ध्यान रहे, श्रीलंका के अखबार संडे टाइम्स ने भारत की आलोचना की थी कि भारत धर्मार्थ मदद नहीं दे रहा है। भारत ने हरसंभव मदद दी है और मानवीय नजरिए से अभी भी मदद कर रहा है, लेकिन भारत कोई विकसित देश नहीं है। वह उदारता से मदद करेगा, पर उसकी एक सीमा है, इसका एहसास श्रीलंका को जरूर होना चाहिए। भारत सरकार की ओर से भी खूब मानवीय मदद गई है और तमिलनाडु सरकार की ओर से भी गई है। भारत को श्रीलंका की स्थितियों पर निगाह रखनी चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि पड़ोसी देश मुसीबतों से जल्दी उबर आए।

आज श्रीलंका जिस हालत में पहुंच गया है, अब अचानक उसकी स्थिति नहीं सुधर सकती। गौर करने की बात है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से उसे मदद नहीं मिल रही है, क्योंकि वहां की सरकार मुद्रा कोष के नियमों-निर्देशों का पालन करने के पक्ष में नहीं रही है। मुद्रा कोष धन देता है, लेकिन उसकी कुछ नीतियां भी हैं, जिनके तहत वह धन वापसी सुनिश्चित करना चाहता है। अति-राष्ट्रवाद के चक्कर में श्रीलंका मुद्रा कोष के नियम-कायदों को मानने को तैयार नहीं था। अब मुसीबत में फंसने के बाद वह तैयार हो रहा है और पूरी गंभीरता के साथ उसकी मुद्रा कोष से बातचीत चल रही है। इस बातचीत में बाधा न पड़े, इसके लिए निवर्तमान प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे अगले प्रधानमंत्री तक पद पर बने रहना चाहते हैं। श्रीलंका के लिए यही उचित है कि वह अपनी नीतियों को बदले या व्यावहारिक बनाए, ताकि दुनिया भर से उसके लिए मदद के रास्ते खुलें।

राजपक्षे की नीतियां नाकाम हो गई हैं। इनके समय में भी श्रीलंका ने ऋण लिए हैं, लेकिन उसमें भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे हैं। ऐसे कई ऋणों से उसका नुकसान हुआ है। यह भी सबक है कि किसी देश को ऋण बहुत संभलकर पूरी पारदर्शिता के साथ लेने चाहिए।

वहां जल्दी चुनाव करवाना आसान नहीं है, उसके लिए भी पैसे चाहिए। अंतरिम सरकार जो बनेगी, उससे भी तत्काल परिणाम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। आप अभी नीतियां बनाएंगे, तो उनके परिणाम एक-दो साल में दिखेंगे। अब जो भी सरकार बनेगी, उसे मित्र देशों से ही गुहार लगानी पड़ेगी, ताकि उपद्रव या लोगों के सड़कों पर उतरने की मजबूरी खत्म हो। श्रीलंका में जो हुआ है, उस पर दुनिया के बड़े लोकप्रिय नेताओं को भी गौर करना चाहिए। आर्थिक स्थिति अगर बिगड़ जाए, अगर लोगों को अपनी जरूरत भर का सामान भी न मिले, तो राजनीतिक-सांस्कृतिक लोकप्रियता पलक झपकते खत्म हो जाती है।

**( ये लेखिका के अपने विचार हैं )**

# आबादी को कमजोरी नहीं, शक्ति बनाने का संकल्प लें

एस पी गौड, पूर्व आईएएस

कोरोना से जूझता विश्व, बढ़ती महंगाई की मार और सकल उत्पाद से कई गुना ज्यादा कर्ज में डूबा है। इस वर्ष अर्थव्यवस्था उबर जाती, तो रूस-यूक्रेन युद्ध ने तेल/ गैस व अनाज की आपूर्ति को ध्वस्त करके विश्व की बहुत बड़ी आबादी के सामने खाद्यान्न व ऊर्जा का संकट पैदा कर दिया है। ऐसे में, ब्रिटेन जैसे देश को जब अपनी 6.8 करोड़ आबादी की चिंता है, तो भारत पर 139 करोड़ नागरिकों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी है। विश्व जनसंख्या दिवस पर इस विषय पर गंभीरता से चर्चा जरूरी है। समग्र विकास के लिए समाज व सरकार को मिलकर पहले आबादी को नियंत्रित करना होगा। अन्यथा पहले से ही बेरोजगारी, प्रदूषण, गरीबी, संक्रामक रोगों जैसे गंभीर संकट झेल रहे देशों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। आजादी के बाद 34 करोड़ से लगातार बढ़ती जनसंख्या अब 139 करोड़ हो गई है, जो केवल चीन से कम है। एक अनुमान के अनुसार, हमारी आबादी 2050 तक 164 करोड़ हो जाएगी। भारत जनसंख्या नियंत्रण के लिए चीन का मॉडल नहीं अपना सकता। उसे अपने नागरिकों द्वारा मान्य तरीके ही अपनाने होंगे। विश्व बैंक के अनुमान में भारत की 67 प्रतिशत आबादी (15-60 आयु वर्ग में) क्रियाशील है और यह अनुपात बढ़ता ही रहेगा। यह वृद्धि कैसे हुई? देश के विकास और बेहतर पोषण के फलस्वरूप मृत्यु दर तो घटी, पर मुकाबले में जन्म दर धीरे-धीरे कम हुई। देश का क्षेत्रफल दुनिया का 2.4 प्रतिशत है, तो जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक (464 प्रति वर्ग किलोमीटर) हो गया है। यह बहुत सी समस्याओं को जन्म देता है।

इतनी घनी आबादी के लिए मूलभूत सुविधाएं जुटाना और हर हाथ को काम देना आसान नहीं है। आबादी का बोझ शहरों की भीड़भाड़ से दूर गांवों में भी है। आर्थिक सर्वेक्षण 2018 के अनुसार, देश का आधे से ज्यादा कार्यबल कृषि पर निर्भर है, जो जीडीपी में सिर्फ17 प्रतिशत का योगदान देता है। 2004-5 में भारत की लगभग एक-चौथाई आबादी गरीबी रेखा से नीचे थी। आंकड़े जो भी कहें, देश को रोटी-कपड़ा-मकान के साथ शिक्षा-स्वास्थ्य की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भारी संसाधनों की जरूरत है। याद करिए, कोरोना की दूसरी लहर में अस्पतालों में मरीजों को न पर्याप्त बिस्तर मिले और न ऑक्सीजन सिलेंडर। वह तो महामारी थी, अन्यथा भी स्वास्थ्य सुविधाएं पर्याप्त नहीं है। अच्छे स्कूलों और कॉलेजों का अभाव है। कितने मेधावी छात्र यथोचित शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

बड़ी जनसंख्या को समस्या बनने से बचाने के लिए हमें अगले 20 वर्षों की तथ्यात्मक रूपरेखा व योजना बनानी है। नौजवानों को वही शिक्षा, प्रशिक्षण मिले, जिसकी जरूरत आगे पड़ेगी। निजी क्षेत्र हो या सरकार, दोनों इसी सिद्धांत पर काम करें। मंझोले और छोटे उद्योगों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। ये बहुत रोजगार तो देते हैं, परंतु असुरक्षित बहुत हैं। कोरोना में सबसे अधिक मार इसी क्षेत्र पर पड़ी है। इसी सेक्टर से बड़े शहरों से उत्तर प्रदेश-बिहार की तरफ मजदूरों का लोमहर्षी पलायन देखा गया था। देश को आईटी आधारित क्षमता व कौशल से अपनी उत्पादकता में भारी बढ़ोतरी करनी पड़ेगी और रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने होंगे। जरूरी है कि हर हाथ को काम मिले। भारत के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती वस्तुत यही है। चुनौती का दो तरह से सामना करना है। कई विशेषज्ञों की राय में समग्र विकास होने पर आबादी स्वत: नियंत्रित हो जाती है। कई देशों का अनुभव यही रहा है। विशेषज्ञों का दूसरा वर्ग हम दो हमारे दो और परिवार नियंत्रण के सभी तरीकों का इस्तेमाल चाहता है। विशेषज्ञों के तीसरे वर्ग का मिला-जुला आग्रह है, यानी समग्र विकास के साथ-साथ परिवार कल्याण के साधन स्वैच्छिक रूप से अपनाए जाएं। देश को महंगाई व बेरोजगारी से बचाने की जरूरत है। सरकार को आबादी संभालने के लिए हरसंभव तरीके आजमाने चाहिए।

दक्षिण एशिया में सब-सहारा अफ्रीका जैसी स्थिति तो नहीं है, फिर भी बढ़ती आबादी एक गंभीर समस्या है। कोई महामारी हो या युद्ध, भारत को सभी परिस्थितियों से जूझने के संसाधन व साहस को बनाए रखना है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर हमें जनसंख्या को अपनी शक्ति बनाने का संकल्प करना चाहिए।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

**श्रीमती अंजली जैन की कलम से...**

अच्छी सोच, अच्छे कर्म खुद को जिंदा रखने के लिए, खुश रखने के लिए काफी है।

-अंजली जैन
7024460938

## सर्द जापान में गर्मी व बुजुर्ग!

जापान में भीषण गर्मी है! इतनी की एसी की खपत से देश में बिजली का टोटा है। सरकार को बिजली बंद रखने का लोगों से आह्वान करना पड़ा। राजधानी टोक्यो में जून में पारा 35 डिग्री के आसपास था। कुछ शहरों में शुक्रवार को 40 डिग्री तापमान था। सोचें, धुर उत्तर के जापान में इतनी गर्मी! पर जापान ही क्यों जून में जापान के अलावा चीन, इटली, नार्वे, फिनलैंड आदि सब तरफ गर्मी रिकार्ड तोड़ थी। दक्षिणी चीन में गर्मी और बाढ़ से जून के महीने में जो बरबादी हुई है वह रिकार्ड तोड़ है। आमतौर पर उत्तरी ध्रुव के इन धुर उतरी देशों में जुलाई से अगस्त के महिनों में गर्मी के रिकार्ड टूटते हैं लेकिन इस साल जून से ही लोगों के पसीने छूटे हुए हैं। तभी लोगों के दिल-दिमाग में जलवायु परिवर्तन की चर्चा चौतरफा है।

बहरहाल, जापान पर लौटा जाए। जापान में रिकार्ड तोड़ गर्मी इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यह देश सर्वाधिक बुजुर्गों को पालता हुआ है। स्वाभाविक है गर्मी से बुजुर्ग बेहाल होंगे। मगर जापान देश का कमाल देखिए कि एकल जीवन जीते हुए बुजुर्गों के लिए तुरंत अस्थायी सामूहिक कैंप बने। चौबीसों घंटे एसी और देख-रेख व खाने-पीने की व्यवस्था के साथ हॉल में इनडोर खेल, टीवी आदि की सुविधा! इस व्यवस्था की फुटेज को देख कर ध्यान आया कि पिछले सप्ताह कोई पांच हजार (अधिकांश 65 वर्ष से अधिक उम्र के) लोगों को लू लगने के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया था लेकिन किसी की मृत्यु की खबर नहीं थी।

तभी गजब है जापान देश। हर स्थिति और विपदा में अपने नागिरकों को बचाने में समर्थ! जापान प्राकृतिक आपदाओं का मारा देश है लेकिन आपदा प्रबंधन ऐसा गजब है कि भूकंप हो या सुनामी या एटमी पॉवर प्लांट का हादसा, सभी में जान का नुकसान न्यूनतम मिलेगा! गर्मी, सर्दी, बाढ़, तूफान, सुनामी, भूकंप जैसी तमाम आपदाओं-विपदाओं में एक-एक नागरिक की जान मूल्यवान। जापान चारों और से समुद्र से घिरा है। इसलिए सोच सकते है कि तेज गर्मी और उमस की दोहरी मार में बूढ़े जापानियों पर कैसी गुजर रही होगी? लेकिन सत्य है कि तमाम शोर और चिंताओं के बीच बूढ़े लोग बेफिक्र हैं। इसलिए कि एक तो बूढ़े लोग अपने आप में समर्थ हैं। दूसरे जापानी समाज की बुनावट और सरकार का ऑटो मोड का ताना-बाना अपने आप सभी व्यवस्थाएं बनाते हुए होता है। इसलिए कितनी ही गर्मी पड़े, आपदा-विपदा आए मगर जापानियों में अकाल मृत्यु का न्यूनतम खतरा है। कोई आश्चर्य नहीं जो जापान में जीवन प्रत्याशा सर्वाधिक है। नब्बे साल की उम्र सामान्य बात है। जापान में 29 प्रतिशत आबादी बुजुर्ग लोगों की है। साढ़े बारह करोड़ लोगों में कोई चार करोड़ लोग 65 साल की उम्र से अधिक के है।

**हरिशंकर व्यास**

# तेल के खेल में नया खेला!

अजीत द्विवेदी

तेल में बड़ा खेल हो रहा है। किसी का ध्यान इस तरफ नहीं है तो उसका कारण यह है कि छह अप्रैल यानी भाजपा के स्थापना दिवस के बाद से पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं। उलटे दोनों ईंधनों के दाम में कमी आ गई है। चूंकि भारत में ज्यादातर लोगों को पेट्रोल-डीजल से इतना ही सरोकार होता है कि इनकी कीमत बढ़ रही है, घट रही है या स्थिर है। कीमत बढ़ नहीं रही है और मई में एक बार उत्पाद शुल्क में कटौती की वजह से पेट्रोल साढ़े नौ रुपए और डीजल सात रुपए प्रति लीटर सस्ता हुआ। सो, इसके बाद अब क्या चाहिए? यूक्रेन और रूस की लड़ाई चल रही है, तेल उत्पादन और निर्यात करने वाले देश उत्पादन नहीं बढ़ा रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं फिर भी भारत में तेल महंगा नहीं हो रहा है तो सब संतुष्ट हैं। उन्हें पता नहीं है कि तेल के खुदरा कारोबार और खुदरा कीमत से इतर भी तेल का बड़ा खेल है। तेल का यह खेल उलझ गया है और उसके साथ साथ सरकार भी उलझ गई है। सरकार तो अपनी मजबूरी में तेल की कीमतें नहीं बढ़ा रही है। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम पहले ही आसमान पर पहुंचे हुए हैं और अगले कुछ दिन में दो राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। तभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अप्रैल से अभी तक कच्चे तेल की कीमत में 15 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी के बावजूद भारत में कीमतें स्थिर रखी गई हैं। इससे सरकारी पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों का मुनाफा कम हो रहा है। इसके बावजूद उनकी मजबूरी है, जो वे पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध करा रहे हैं। पर ऐसी कोई मजबूरी निजी कंपनियों की नहीं है। सो, उन्होंने मुनाफा कम होते ही तेल की आपूर्ति घटा दी। इसका नतीजा यह हुआ कि देश के कई हिस्सों में पेट्रोल पंपों पर सूखा पड़ गया। जून में दो-तीन हफ्ते तक कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की किल्लत रही क्योंकि कंपनियों ने आपूर्ति कम कर दी थी। कई राज्यों में ऐसी स्थिति पैदा हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कई दिन तक औसतन चार सौ पेट्रोल पंप बंद रहे। ऐसा नहीं है कि सिर्फ निजी कंपनियों के पेट्रोल पंप बंद हुए सरकारी कंपनियों ने भी आपूर्ति घटाई। पिछले महीने के आखिरी हफ्ते में एक दिन हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सवा दो सौ पेट्रोल पंप तेल नहीं होने की वजह से बंद रहे। सबसे बड़ी तेल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल के भी 130 पेट्रोल पंप बंद रहे और भारत पेट्रोलियम के 50 से ज्यादा पंप तेल की कमी से बंद रहे। इसके बावजूद तेल मार्केटिंग कंपनियां इससे इनकार करती रही कि कहीं तेल की कमी हो रही है। असल में पिछले करीब दो-तीन महीने से सरकारी और निजी दोनों पेट्रोलियम कंपनियां माहौल बना रही हैं कि कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से उनको खुदरा कारोबार में नुकसान हो रहा है।


स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

Sanitary And Pipes Shop
Shree Hanuman Enterprises
Deals In: Sanitary, Hardware, PVC and CPVC Pipes, Water Tanks & Kitchen Sinks etc.
Deepak Kumar Shrivastava
7771831789
7974777438
Meenakshi Nagar, Beside of New Culcutta Sweets, Borsi Road, Durg (C.G.)-491001

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

# श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़



इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM




### साहू समाज संगठित, दानशील और अनुशासित समाज

# स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थ पर फोकस के साथ छत्तीसगढ़ में समावेशी विकास : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ प्रगति के तीन प्रमुख आयामों स्वास्थ्य, शिक्षा और अर्थ पर फोकस के साथ स्वावलंबन तथा समावेशी विकास की ओर अग्रसर है। इन तीनों क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए राज्य शासन द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई हैं। इनके बेहतर क्रियान्वयन से राज्य के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आज दुर्ग में साहू समाज के वार्षिक आम सभा में समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में इस आशय के विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज के पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचन अच्छी मिसाल है। साहू समाज संगठित, दानशील और अनुशासित समाज है। पदाधिकारियों के निर्विरोध चुनाव से साहू समाज ने अन्य समाजों को भी एकता, सद्भावना और सहभागिता का संदेश दिया है। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में दुर्ग जिला साहू संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री नंदलाल साहू, उपाध्यक्ष श्री कृष्ण साहू एवं श्रीमती दिव्या कलिहारी ने शपथ लिया।

समाज के अनेक वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी भी रहे मौजूद

गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सजातीय भाई समाज को संगठित करने वाले कार्यों के साथ ही ऐसे कार्य भी करें जो अपने समाज के साथ ही अन्य समाजों के लिए भी उदाहरण बनें। समाज के पदाधिकारियों का निर्विरोध चुनाव गर्व का विषय है।

उन्होंने भरोसा जताया कि नए पदाधिकारी और प्रतिनिधि समाज के संगठन को और मजबूत करने अच्छा कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू, जागेश्वर साहू, पूर्व विधायक डॉ. दयाराम साहू, छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष दीपक ताराचंद साहू, छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष टहल साहू, राजेन्द्र साहू, लखन लाल साहू, श्री खिलावन साहू और रमेश साहू सहित साहू समाज के अनेक वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी मौजूद थे।

# मोदी सरकार आदिवासी हितों के खिलाफ निर्णय ले रही -कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मोदी सरकार वनअधिकार कानून 2006 के प्रवधानों को समाप्त करने की कवायद में लगी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006, जिसे जन सामान्य की भाषा में वन अधिकार अधिनियम, 2006 के रूप में जाना जाता है, एक ऐतिहासिक और सर्वाधिक प्रगतिशील कानून है जिसे गहन संवाद और चर्चा के बाद संसद द्वारा सर्वसम्मति और उत्साहपूर्वक पारित किया गया था। यह देश के वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी, दलित और अन्य परिवारों को व्यक्तिगत और सामुदायिक दोनों स्तर पर भूमि और आजीविका के अधिकार प्रदान करता है।

तत्कालीन कांग्रेस की केंद्र सरकार ने अगस्त 2009 में, इस कानून के अक्षरश: अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए, तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय ने एक परिपत्र जारी किया, जिसमें कहा गया था कि वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत वन भूमि के अन्यत्र उपयोग के लिए किसी भी मंजूरी पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का सर्वप्रथम निपटान नहीं कर लिया जाता है। पारंपरिक रूप से वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी और अन्य समुदायों के हितों के संरक्षण और संवर्धन के लिए यह प्रावधान किया गया था। इस परिपत्र के अनुसार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा वन और पर्यावरण मंजूरी पर कोई भी निर्णय लेने से पहले आदिवासी और अन्य समुदायों के अधिकारों का निपटान करना जरुरी होगा। परिपत्र में कहा गया है कि इस तरह के किसी भी प्रयोजन को कानून संवत होने के लिए प्रभावित परिवारों की स्वतंत्र, पूर्व और सुविज्ञ सहमति प्राप्त करना बाध्यकारी होगा। पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि हाल ही में मोदी सरकार द्वारा जारी नियमों के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा अंतिम रुप से वन मंजूरी मिलने के बाद वन अधिकारों के निपटारे की अनुमति दे दी है। जाहिर तौर पर यह प्रावधान कुछ चुनिंदा लोगों के लिए 'व्यापार को आसान बनाना' के नाम पर किया गया है। परंतु यह निर्णय उस विशाल जन समुदाय के लिए 'जीवन की सुगमता' को समाप्त कर देगा, जो आजीविका के लिए वन भूमि पर निर्भर है। यह वन अधिकार अधिनियम, 2006 के मूल उद्देश्य और वन भूमि के अन्यत्र उपयोग के प्रस्तावों पर विचार करते समय इसके सार्थक उपयोग के उद्देश्य को नष्ट कर देता है। एक बार वन मंजूरी मिलने के बाद, बाकी सब कुछ एक औपचारिकता मात्र बनकर रह जाएगा, और लगभग अपरिहार्य रूप से किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और उसका निपटान नहीं किया जाएगा। वन भूमि के अन्यत्र उपयोग की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए राज्य सरकारों पर केंद्र की ओर से और भी अधिक दबाव होगा। प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि वन संरक्षण अधिनियम 1980 को, वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अनुरूप लागू करना सुनिश्चित करने के संसद द्वारा सौंपे गए उत्तरदायित्व को मोदी सरकार ने तिलांजलि दे दी है।

## खास खबर

### आईपीएस संतोष सिंह को मिलेगा आईएसीपी अवार्ड

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी संतोष सिंह ने अमेरिका में प्रदेश का नाम रौशन किया है। जिनका स्थानांतरण राजनांदगांव से कोरबा के लिए किया गया है। वे कल मध्यान्ह नये एसपी का पदभार ग्रहण करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले गुरूवार को भारतीय पुलिस सेवा के 9 अधिकारियों का स्थानांतरण आदेश जारी किया था। जिनमें 2011 बेच के आईपीएस संतोष सिंह की पदस्थापना कोरबा में की गई है। श्री सिंह इस बार आईएसीपी अवार्ड पाने वाले छत्तीसगढ़ के एकलोते आईपीएस अफसर है। इस अवार्ड के लिए दो भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों का चयन किया गया है। आईएसीपी अवार्ड हर साल सितंबर महीने में समारोह आयोजित कर घोषणा किया जाता है। जिसे अण्डर 40 श्रेणी में दिया जाता है। यह दुनिया के 40 वर्ष से कम उम्र के ऐसे पुलिस अधिकारी को दिया जाता है जिसने अच्छी नेतृत्व क्षमता और नये प्रयोग और अच्छे काम के साथ पुलिस के काम में बदलाव की कोशिश किया रहता है। एसपी श्री सिंह का चयन पिछले नके 8 वर्षों के बेहतरीन पुलिसिंग और पुलिस की छवि सुधारने में किये गये। उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है। एसपी श्री सिंह 2011 बेच के आईपीएस अधिकारी है। जो मूल रूप से उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिले के देवकली निवासी है। उनकी स्कूली शिक्षा नवोदय विद्यालय से शुरू हुई। जिसके बाद बीएचयू से राजनीति विज्ञान में उच्च डिग्री हासिल किया। उसके बाद जेएनयू दिल्ली से एमफिल किया। उसके बाद सिविल सर्विस की पढ़ाई कर क्वालीफाई किया। उनकी पहली पोस्टिंग दुर्ग में रही। उसके बाद घोर नकसली क्षेत्र सुकमा बस्तर में 2014 से 2016 तक बतौर एएसपी के रूप में कार्य किया। उसके बाद नारायणपुर, महासमुंद, रायगढ़ आदि जिलों में एसपी के रूप में अपनी सेवाएं देने के साथ राजनांदगांव में पदस्थ थे।

### मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने ग्राम रेंगनी, जोगीभाट, बटेरा और सिवनी में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया

# हितों की रक्षा करना छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - मंत्री श्रीमती भेंड़िया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने आज बालोद जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम रेंगनी, जोगीभाट, बटेरा और सिवनी में विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर ग्रामीणों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्रीमती भेंडिया ने ग्राम पंचायत रेंगनी में 6 लाख 50 हजार रूपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण तथा 10 लाख की लागत से मंगल भवन निर्माण हेतु भूमिपूजन किया।

इसके अलावा उन्होंने क्रमश: ग्राम जोगीभाट -बटेरा, रेंगाडबरी, भंवरमरा, चेदरीभाट-भीमाटोला, जाटादाह, सोरली, माटरी और खेरथाबाजार में 06-06 लाख रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम जोगीभाट में 05 लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण, ग्राम बटेरा में 06 लाख की लागत से सामुदायिक भवन तथा ग्राम सिवनी में 04.71 लाख रुपए की लागत से पूर्व माध्यमिक शाला के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि आज इस अंचल में महत्वपूर्ण विकास कार्यों एवं भूमिपूजन होने से इस क्षेत्र का विकास होगा। प्रदेश के किसानों, ग्रामीणों एवं मजदूरों की हितों की रक्षा करना छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल स्वयं किसान पुत्र हैं। वे किसानों की वास्तविक जरूरतों को भलीभांति समझते हैं। इसलिए उन्होंने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी एवं किसानों के ऋणमाफी जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिया था। उन्होंने कहा की पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के युवा भारत के सपने को साकार करने के लिए राज्य में राजीव युवा मितान क्लब योजना की शुरुआत की है। इस योजना के माध्यम से युवाओं को छत्तीसगढ़ की संस्कृति, पर्यावरण, खेल, को आगे बढ़ने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पंहुचने और लोगों को इसका लाभ दिलाने में मदद मिलेगा। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए सभी लोगों से सहयोग करने की अपील भी की। इस दौरान श्रीमती भेंडिया ने जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं एवं मांगो को गंभीरतापूर्वक सुनी और ग्रामीणों की मांग के अनुरूप अनेक घोषणाएं भी की। ग्राम रेंगनी में आंगनबाड़ी केंद्र मार्ग तथा गायत्री मंदिर से मुक्तिधाम तक सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। इसके अलावा ग्राम जोगीभाट में बोर खनन, ग्राम सिवनी में आंगनबड़ी भवन, पेटेल भवन से मुक्तिधाम तक सीसी रोड निर्माण तथा मुक्तिधाम में बोर खनन की घोषणा की। इस अवसर पर कृषि उपज मंडी बालोद के भारसाधक समिति के अध्यक्ष भोलाराम देशमुख, मंत्री प्रतिनिधि पीयूष सोनी, अनिल लोढ़ा, डौंडीलोहारा जनपद पंचायत श्रीमती लक्ष्मी भोयर, राजाराम तारम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# बेटी के जन्मदिन पर सपरिवार किया रक्तदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**गरियाबंद।** ग्राम मालगांव के समाजसेवी रक्तदाता भीम निषाद ने अपनी बेटी समृद्धि के जन्मदिन के अवसर पर एक अनुकरणीय पहल की है। 10 जुलाई को समृद्धि के जन्मदिन पर भीम ने सपरिवार जिला अस्पताल में रक्तदान किया। उनकी इस पहल की स्वास्थ विभाग और ग्रामवासियों ने सराहना की हैं। इस अवसर उनके परिवार के 10 लोगो ने एक साथ रक्तदान किया।दरअसल,बीते 10 वर्षों से जरूरतमंद लोगों के लिए रक्तदान का पुनीत कार्य करते आ रहे समाज सेवी भीम निषाद अपने टीम के साथ हमेशा रक्तदान के लिए तत्पर रहते है। हर विशेष मौके या किसी मरीज को रक्त की जरूरत होने पर वे टीम के साथ रक्तदान करने पहुंचते है। अपने जन्मदिन पर भी उन्होनें मालगांव में रक्तदान महोत्सव आयोजन कर 82 ग्रामीण युवाओं से रक्तदान करवाया था।

इस बार अपनी बेटी समृद्धि के जन्मदिन पर समाज में कन्या भ्रुण हत्या की रोकथाम तथा समाज में बेटियों संरक्षण मिले इस उद्देश्य को लेकर सपरिवार जिला अस्पताल पहुंच रक्तदान किया। उन्होंने कहा की बेटियों से ही घर में रौनक होती है। समाज में बेटियों को बढ़ावा देने तथा रक्तदान के लिए लोगो को प्रेरित करने के उन्होंने समृध्दि के जन्मदिन के सपरिवार रक्तदान करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा इससे समाज को अच्छा संदेश दिया जाता सकता है। इस दौरान उनके परिवार के सालिक राम निषाद, सोहन निषाद, परमेश्वर निषाद, रमाकांत निषाद, देववती निषाद, सत्रानी निषाद, रूपलाल निषाद, अविनाश निषाद के अलावा मित्र दिगेश ध्रुव ने रक्तदान किया। मौके पर समृद्धि का जन्मदिन भी मनाया गया।इस अवसर पर जिला स्वाथ्य अधिकारी डॉ नेतराम नवरत्न ने कहा की भीम निषाद एवम अनेक परिवार ने सराहनीय पहल की है। इससे समाज के दूसरे लोग भी रक्तदान के लिए प्रेरित होंगे। साथ भी बेटियों को भी सम्मान मिलेगा। मौके में जिला अस्पताल के रक्तकोष प्रभारी डॉ. विपिन अग्रवाल ने भी समाज सेवी पिता एवम परिवार के इस पहल की सराहना की। उन्होने कहा कि इससे समाज में बेटियों के संरक्षण का संदेश भी जाएगा और किसी और की जिंदगी बचाने में भी मदद मिलेगी है।

डॉ हरीश चौहान ने भी लोगो ने रक्तदान की अपील करते हुए कहा की इससे स्वास्थ्य में किसी प्रकार का बुरा प्रभाव नहीं होता। बल्कि शरीर को फायदा पहुंचता हैं।भीम निषाद के इस अनुकरणीय पहल पर सामाजिक कार्यकर्ता विकास पारख,अंकित जैन,गोलू चंद्राकर ने भी उनकी सराहना करते हुए बधाई दी हैं।

# संत ललितप्रभ के प्रवेश पर निकली भव्य शोभायात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राष्ट्रसंत महोपाध्याय ललितप्रभ सागरजी महाराज एवं डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागरजी महाराज के रविवार को ऐतिहासिक नगर प्रवेश के पावन प्रसंग पर प्रात: 8 बजे जैन दादाबाड़ी एमजी रोड से आउटडोर स्टेडियम बूढ़ापारा तक भव्य चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शोभायात्रा निकाली गई। जिन शासन और संयम धर्म की जय-जयकार के साथ निकली यह शोभायात्रा दादाबाड़ी से शारदा चौक, जयस्तंभ चौक, मालवीय रोड होते हुए कोतवाली चौक, सदरबाजार सद्दानी चौक से स्टेडियम परिसर पहुंची। जिसमें संतजनों के सम्मान में मंगल कलश-यात्रा, 108 फिट का पंचरंगी ध्वज, जीवन निर्माण की प्रेरणा देने वाली झंडियां, धार्मिक झांकियां, रंग-बिरंगी वेशभूषा में

विधि महिला मंडल, पायलट बाइक्स, सुसज्जित अश्व व ऊंट, खैरागढ़ फोक डांस, लाभार्थी परिवार का रथ, हर्षोल्लास व जय-जयकार करते पंक्तिबद्ध चल रहे श्रावक-श्राविकाएं, पंथी नृत्य, छतरी नृत्य, गरबा, आदिवासी नृत्य, कलश, अष्ट मंगल, मोटिवेशनल कोटेशन के साथ कॉलेज और विद्यालय की बालक-बालिकाएं प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे। विशेष रूप से बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे मयूरी नृत्य ने दर्शकों को मुग्ध कर दिया। वहीं शोभायात्रा के पीछे-पीछे पूरे मार्ग की सफाई के लिए सेवादारियों सहित चल रही ऑटो की सेवा ने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया. शोभायात्रा में नगर गणमान्यों में प्रमुख रूप से विधायक गण बृजमोहन अग्रवाल, कुलदीप जुनेजा, विकास उपाध्याय, नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे व अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

साधु-साध्वी और श्रावक-श्राविकाओं के चतुर्विध संघ के साथ जैसे ही शोभायात्रा स्टेडियम में निर्मित भव्य संबोधि प्रवचन पंडाल पहुंची, श्रद्धालुओं द्वारा संतों का भव्य आत्मीय अभिनंदन कर विधिवत वंदन किया गया। इस प्रसंग पर हुई धर्मसभा में राष्ट्र:संत श्रीललितप्रभ सागर महाराज साहब ने रायपुर के नाम अपने पहले पैगाम में कहा- लगभग 33 लाख कदम चलकर हम ठेठ जोधपुर से मारवाड़ की धरती से छत्तीसगढ़ आए हैं। मेरी 45 साल की उम्र में जिंदगी में पहली बार ऐसा हुआ, अब तक तो ऐसा होता रहा कि लोग आकर विनती करते रहे और हम चातुर्मास में जाते रहे लेकिन पहली बार ऐसा हुआ कि हमारा मन इसी ओर लगा रहा कि हम खुद छत्तीसगढ़ जाएंगे और वहां जाकर छत्तीसगढ़वासियों की सेवा करेंगे। हम यहां अपने मन से आए हैं, जैसे कोई महिला अपने पीहर की ओर कितने मन से जाया करती है।


ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578



Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर

### छत्तीसगढ़ में अब तक 265.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

**रायपुर।** राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 265.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज दस जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 556.8 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 113.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 135.5 मिमी, सूरजपुर में 186.8 मिमी, जशपुर में 130.9 मिमी, कोरिया में 208.2 मिमी, रायपुर में 170.1 मिमी, बलौदाबाजार में 260.4 मिमी, गरियाबंद में 283.8 मिमी, महासमुंद में 255.9 मिमी, धमतरी में 244.5 मिमी, बिलासपुर में 303.7 मिमी, मुंगेली में 362.6 मिमी, रायगढ़ में 248.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 379.3 मिमी, कोरबा में 221.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 363.0 मिमी, दुर्ग में 257.2 मिमी, कबीरधाम में 256.8 मिमी, राजनांदगांव में 280.6 मिमी, बालोद में 319.5 मिमी, बेमेतरा में 204.0 मिमी, बस्तर में 330.2 मिमी, कोण्डागांव में 278.3 मिमी, कांकेर में 291.4 मिमी, नारायणपुर में 288.6 मिमी, दंतेवाड़ा में 253.4 मिमी और सुकमा में 244.2 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

### स्कूलों में ली जा रही क्रीडा शुल्क की 20 प्रतिशत राशि अब संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय में जमा होगी

**रायपुर।** प्रदेश के हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों में प्रति वर्ष एकत्रित की जाने वाली क्रीडा शुल्क की राशि का 20 प्रतिशत राशि अब संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय में जमा होगी। पूर्व में यह राशि खेल जोन मुख्यालय में जमा करने के निर्देश दिए गए थे, जिसमें आंशिक संशोधन किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी आदेश में कहा गया है कि प्रदेश में 5 संभागीय कार्यालय अंतर्गत खेल जोन के खिलाड़ियों को राज्य स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता में सम्मिलित कराने के आदेश जारी किए गए थे। राज्य शासन द्वारा शिक्षा सत्र 2021-22 के लिए विद्यालयों में शुल्क निर्धारित किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा क्रीडा शुल्क हाई स्कूल में 50 रूपए और हायर सेकेण्डरी में 65 रूपए निर्धारित किया गया है। अत: क्रीडा शुल्क की राशि का 20 प्रतिशत राशि संबंधित संभागीय खेल मुख्यालय (संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय) में जमा की जाए। स्कूलों से जोन मुख्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों को क्रीडा शुल्क की राशि का उपयोग जोन की टीमों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित कराने, टीमों के गणवेश, टीम का परिवहन व्यय, खेल सामग्री, प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के लिए भोजन व्यवस्था, दैनिक भत्ता एवं खेल जोन स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन आदि पर व्यय किया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्कूलों से क्रीडा शुल्क की प्राप्त राशि का व्यय जिले की टीमों को खेल जोन स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित कराने, टीमों के गणवेश, टीम का परिवहन व्यय, खेल सामग्री, प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के लिए भोजन व्यवस्था, दैनिक भत्ता एवं जिला स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन आदि पर व्यय करेंगे। इसी प्रकार विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्कूलों से क्रीडा शुल्क की प्राप्त राशि का व्यय विकासखण्ड की टीम को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित कराने, टीम का परिवहन व्यय, प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के लिए भोजन व्यवस्था, दैनिक भत्ता एवं विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन आदि पर व्यय करेंगे।

# मछुआ नीति को केबिनेट की अगली बैठक में दी जाएगी मंजूरीः भूपेश बघेल

**मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ निषाद समाज के नवनिर्वाचित प्रदेश पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में की घोषणा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि प्रदेश की मछुआ नीति को केबिनेट की अगली बैठक में मंजूरी दी जाएगी। मछुआ नीति का प्रारूप तैयार कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ निषाद केंवट समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में यह घोषणा की।

कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम, माता जानकी और भक्त गुहाराज निषाद की पूजा-अर्चना की। उन्होंने इस अवसर पर बिलासा देवी केंवट पर ''शौर्य की प्रतिमूर्ति'' तथा इन्दरू केंवट पर ''दण्डकारण्य का गांधी'' शीर्षक से प्रकाशित पुस्तक का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री बघेल ने निषाद केंवट समाज के लोगों से मछलीपालन की नई तकनीक केज और बायो फ्लॉक तकनीक का उपयोग कर मछलीपालन करने की बात कही। उन्होंने कहा कि मछुआ समाज के लोग समिति बनाकर केज और बायो फ्लॉक यूनिट के लिए फायनेंस सुविधा का लाभ उठाएं, इसमें अनुदान भी दिया जाता है। इससे मछलीपालन करने वालों को अधिक आर्थिक लाभ होगा और प्रदेश में मछली का उत्पादन भी बढ़ेगा। श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार का यह प्रयास है कि किसानों, दूध डेयरी का व्यवसाय करने वाले, पशुपालन, मछलीपालन करने वाले, वनोपजों का संग्रहण करने वाले लोगों की आय में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि मछली बीज उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भर हुआ है। यहां से उत्तरप्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों को मछली बीज की सप्लाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो समाज शिक्षा से नाता जोड़ता है, वही समाज आगे बढ़ता है। मछुआ समाज भी बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाए।

कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़िया अस्मिता को जगाने का काम बखूबी किया गया है। निषाद केंवट समाज को सम्मान दिलाने का काम किया गया है। बिलासपुर एयरपोर्ट का नाम बिलासा देवी केंवट के नाम पर, अर्जुंदा महाविद्यालय का नाम शहीद दुर्वासा निषाद के नाम, कवर्धा के मत्स्य महाविद्यालय का नामकरण पुनाराम निषाद के नाम पर किया गया है। उन्होंने बताया कि नया रायपुर के एक चौक का नामकरण भक्त गुहाराज निषाद के नाम पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल पर मछलीपालन को कृषि का दर्जा दिया गया है। खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत और संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया। छत्तीसगढ़ मुछआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एमआर निषाद ने स्वागत भाषण देते हुए समाज की विभिन्न मांगों की ओर अतिथियों का ध्यान आकृष्ट किया।

### मछुआ समाज के भवन के लिए 01 करोड़ रूपए की मंजूरी

मुख्यमंत्री ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज के लोगों के हित में राज्य सरकार द्वारा नीति बनाई जाती है, लेकिन इसका अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने का दायित्व समाज का है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मछलीपालन को कृषि का दर्जा दिया गया है। इस नीति के तहत मछलीपालन करने वाले लोगों को किसानों के जैसे बिना ब्याज का ऋण तथा बिजली शुल्क में छूट दी जा रही है। इन प्रावधानों का लाभ उठाने के लिए समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में सामने आना चाहिए। उन्होंने संसदीय सचिव एवं निषाद केंवट समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुंवर सिंह निषाद के आग्रह पर निषाद केंवट समाज के भवन निर्माण के लिए एक करोड़ रूपए की राशि की स्वीकृति की घोषणा की। मुख्यमंत्री बघेल ने समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और नई जिम्मेदारी मिलने पर पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे, खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद और सुश्री शकुंतला साहू, छत्तीसगढ़ राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एम.आर.निषाद, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन भी उपस्थित थे।

# आदिवासियों के हितों को संरक्षण प्रदान करना पेसा कानून का मुख्य उद्देश्य : सीएम बघेल

**अखिल भारतीय गोंड़वाना समाज के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री का पेसा कानून के अनुमोदन के लिए जताया आभार**

**छत्तीसगढ़ जनजातीय सलाहकार परिषद में किया गया है अनुमोदन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से उनके निवास कार्यालय में अखिल भारतीय गोंड़वाना समाज के प्रतिनिधियों ने मुलाकात कर छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद में पेसा क़ानून प्रस्ताव के अनुमोदन पर उनके प्रति आभार जताया। इस मौके पर अखिल भारतीय गोंड़वाना समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का गजमाला पहनाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आदिवासियों के हितों को संरक्षण प्रदान करना इसका प्रमुख उद्देश्य है। पेसा कानून लागू होने से ग्राम सभा का अधिकार बढ़ेगा। ग्राम सभा के 50 प्रतिशत सदस्य आदिवासी समुदाय के होंगे। इस 50 प्रतिशत में से 25 प्रतिशत महिला सदस्य होंगे। गांव के विकास में निर्णय लेने और आपसी विवादों के निपटारे का अधिकार भी होगा। पेसा कानून पहले से था, इसके नियम नहीं बनने के कारण आदिवासियों को इसका लाभ नहीं मिल रहा था। उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में आदिवासी समुदाय अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहा है। छत्तीसगढ़ में पिछले 3 वर्षों में आदिवासियों के हित में सबसे ज्यादा निर्णय लिए गए हैं। छत्तीसगढ़ में वनवासियों को तेंदूपत्ता संग्रहण पर पारिश्रमिक देश में सबसे ज्यादा दिया जा रहा है, जिसमें आदिवासी आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं। आदिवासी समुदाय की संस्कृति के संरक्षण के लिए देवगुढ़ियो का सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार किया जा रहा है। विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने से आदिवासी समुदाय का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां वनवासियों को बड़ी संख्या में वन अधिकार पट्टा प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया और बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संत कुमार नेताम और संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, अखिल भारतीय गोंड़वाना समाज के अध्यक्ष नीलकंठ टेकाम, भारतीय गोंडवाना महासभा के सचिव लोकेंद्र ठाकुर, छत्तीसगढ़ गोंडवाना महासभा की महिला प्रभाग प्रमुख उत्तरा मरकाम सहित विभिन्न जिलों से गोंडवाना समाज के पदाधिकारी उपस्थित थे।

# 'सुरक्षित गुरूवार' स्कूलों को महामारी से बचाने का प्रयासः डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम

**स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम ने 'सुरक्षित गुरुवार' कार्यक्रम का किया शुभारंभ**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कोविड महामारी से बचाव के लिए 'सुरक्षित गुरूवार' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'सुरक्षित गुरुवार' की अवधारणा ना सिर्फ बच्चों को सुरक्षित रखेगा अपितु स्कूल के व्यवस्थित संचालन में यह मील का पत्थर साबित होगा। भविष्य में ऐसी महामारियों के लिए यह कार्यक्रम जागरूकता हेतु उत्कृष्ट प्रयास है। मुझे विश्वास है छत्तीसगढ़ की शिक्षा पूर्ण रूप से कोरोना से सुरक्षित रहेगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि इस शताब्दी की सबसे बड़ी महामारी कोरोनाकाल में स्कूल बंद हुए और बच्चे घरों में कैद हो गए। बच्चों के लिए यह अत्यंत कठिन दौर था। इन परिस्थितियों में बच्चों के द्वारा सुरक्षित व्यवहार के माध्यम से अपने आपको तथा परिवार को प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित कैसे रखें। इसको ध्यान में रखकर सुरक्षित गुरुवार की अवधारणा को प्रारंभ किया गया है। सुरक्षित गुरुवार में प्रत्येक गुरुवार को आधा घंटा महामारी से बचाव के तरीके एवं सुरक्षित व्यवहार को लेकर शालाओं में कार्य किया जाएगा, पाठ को लेकर वीडियो का भी निर्माण किया गया है। इसके साथ ही 'सुरक्षित गुरुवार' किताब में क्यूआर कोड डाला गया है, जिससे आसानी से पूरी प्रक्रिया शिक्षक और बच्चे समझ सके।

उल्लेखनीय है कि कोविड महामारी ने कई क्षेत्रों में अपना प्रभाव डाला, शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ी हानि हुई है। वर्तमान में सरकार ने सभी स्कूल खोल दिए हैं तो यह जरूरी है कि कोविड अनुरूप व्यवहारों को मजबूत किया जाए। इसी प्रयास को 'सुरक्षित गुरुवार' साकार करने का एक सशक्त माध्यम है। जिसे शिक्षा विभाग ने यूनिसेफ के सहयोग से तैयार किया है। 'सुरक्षित गुरुवार' गतिविधियों पर आधारित 17 सप्ताह का एक कार्यक्रम है, जिसे कक्षा 1-5 तथा कक्षा 6-12 के लिए अलग-अलग बनाया गया है। इसमे प्रत्येक गुरुवार को 15-20 मिनट तक सभी शालाओं में कोविड संबंधित विभिन्न विषयों जैसे हाथ धुलाई, मास्क का सही उपयोग, टीकाकरण आदि पर गतिविधियाँ होंगी। शिक्षकों की सुविधा के लिए इसको वीडियो फॉर्म में भी बनाया गया है, जिससे सभी शालाओं में ये गतिविधियाँ एक समान संचालित हो।

गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम द्वारा बिहार राज्य में शाला सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम का अवलोकन कर राज्य में भी बच्चों की सुरक्षा से संबंधी कार्यों को आगे बढाए जाने के निर्देश दिए हैं। जिसके परिपालन में शाला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कार्य, प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर्स एवं इस सत्र में कोरोना से बचाव को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित गुरूवार संबंधी कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने की घोषणा कर 'सुरक्षित गुरूवार' से संबंधित सामग्री का विमोचन किया।

इस अवसर पर सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. एस. भारतीदासन, प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा नरेंद्र दुग्गा, यूनिसेफ के राष्ट्रीय एजुकेशन चीफ टेरी डूरियन, लर्निंग लेंग्वेज फाउंडेशन के फाउंडर धीर झींगरन, यूनीसेफ चीफ छत्तीसगढ़ जॉब जकेरिया, विशाल वासवानी इमरजेंसी ऑफिसर, सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

# यूपी व दिल्ली में गोबर से बनी राखियों की मांग

**रायपुर।** प्रदेश के गोठानों में गोबर से बनने वाली राखियों की मांग अब देश के अलग-अलग शहरों से होने लगी है। इस बार उत्तर प्रदेश व दिल्ली से 40 हजार राखियों का आर्डर मिला है। स्वसहायता समूह की महिलाएं गोठानों में इको फ्रेंडली राखियां तैयार करने में जुटी हैं। रायपुर के संतोषी नगर गोठान में गोबर की राखियों के साथ ही आकर्षक कलाकृतियां, चाबी के छल्ले, मूर्तियां, दीये, माला, दीवार की टाइल्स आदि बनाने का काम किया जा रहा है। एक पहल स्वसहायता समूह की अध्यक्ष नीलम अग्रवाल ने बताया कि गोबर, ग्वार गम, चूना पावडर और विभिन्ना प्रकार के फूलों के बीज को सांचे में भरकर स्वास्तिक, ओम, फूल, तितली, उड़ती हुई चिड़िया तथा पौधों का बीज आदि के डिजाइन तैयार किए जाते हैं। डिजाइनों को हर्बल कलर से पेंट करने के बाद मौली धागे में उसे पिरोकर राखी बनाई जाती है। राखियों की कीमत 10 से 50 रुपये है। गोठान संचालक रितेश अग्रवाल ने बताया कि गोठान में गोबर से सूटकेस, टाइल्स, दीवार घड़ी आदि का निर्माण भी किया जा रहा है। इस साल उत्तर प्रदेश के एटा जिले से 30 हजार तथा दिल्ली से 10 हजार राखियों की मांग आई है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

# पेनकिलर का ज्यादा सेवन बढ़ा सकती है दिक्कतें, दर्द से छुटकारा पाने के लिए ये 'घरेलू पेनकिलर्स' हैं असरदार

सामान्यतौर पर शरीर में होने वाली दर्द की स्थिति में पेनकिलर ले लेने से आपको कुछ ही समय में आराम मिल जाता है। दर्द की स्थिति में पेनकिलर लेने के लिए हम डॉक्टरी प्रिस्क्रिप्शन पर भी ध्यान नहीं देते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बिना डॉक्टरी सलाह के ली गई दवाएं आपको कुछ पलों में आराम तो दिला सकती हैं पर इसके कारण कई तरह के अल्पकालिक-दीर्घकालिक साइड-इफेक्ट्स होने का भी खतरा रहता है। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना पेनकिलर के दर्द को कैसे ठीक किया जा सकता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हर बार दर्द के लिए पेनकिलर लेना आवश्यक नहीं है। हर घर में प्राकृतिक दर्द निवारक दवाएं होती हैं जो कई प्रकार के हल्के से लेकर तेज दर्द को पेनकिलर की ही तरह से ठीक करने की क्षमता रखती हैं। आमतौर पर हम घरों में मौजूद इन औषधियों के प्रभावों से अनजान होते हैं, पर इनको प्रयोग में लाकर आसानी से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। कान, दांत, मांसपेशियों, सिरदर्द और चोट के दर्द को कम करने में कई औषधियों को विशेष प्रभावी पाया गया है। आइए हमारे घरों में मौजूद ऐसी ही कुछ औषधीय दर्द निवारकों के बारे में जानते हैं।

### मांसपेशियों और चोट का दर्द

सामान्यतौर पर गिरने या अन्य कारणों से लगने वाले चोट की स्थिति में होने वाले दर्द को ठीक करने में हल्दी का सेवन करना विशेष लाभकारी माना जाता है। गर्म दूध के साथ मिलाकर हल्दी का सेवन रक्त को जमने से रोकता है और मांसपेशियों के दर्द से राहत दिलाने में सहायक है। हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो चोट के कारण होने वाले सूजन को कम करने में कारगर है। इसके अलावा हल्दी के एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण घावों को ठीक करने में मदद करते हैं।

### दांतो का दर्द

दांतों के तेज दर्द से कुछ ही पलों में राहत पाने के लिए लौंग की कली को चूसना या दर्द वाले दांत पर कॉटन में लौंग का तेल लगाकर रखने से कुछ ही पलों में आराम मिल सकता है। यदि आप मुंह के संक्रमण से पीड़ित हैं तो लौंग को चबाने या मुंह में रखने से लक्षणों से राहत मिलती है। लौंग के तेल में सक्रिय यौगिक यूजेनॉल पाया जाता है जो स्वाभाविक रूप से रक्त को पतला करने और रक्त के थक्के को रोककर हृदय की समस्याओं से बचाने में भी सहायक है।

### सिरदर्द के लिए अदरक और तुलसी

अदरक और तुलसी से बनी चाय सिरदर्द और फ्लू के कारण होने वाली समस्याओं को कम करने में सहायक है। इसके अलावा अध्ययनों में यह भी पाया गया कि अदरक जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द के लिए भी एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। अदरक में मौजूद फाइटोकेमिकल्स दर्द पैदा करने वाले हार्मोन के उत्पादन और रिलीज को नियंत्रित करते हैं। यह मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लिए भी प्रभावी उपाय है। थकान के कारण होने वाले दर्द में अदरक की चाय काफी फायदेमंद मानी जाती है।

### पेट का दर्द

अपच, गैस या फिर पेट में सूजन के कारण होने वाले दर्द में दही का सेवन करना आपको काफी लाभ दे सकता है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स आंत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं जो पेट के दर्द का कारण बनने वाले कारकों को कम करके लाभ दे सकते हैं। पाचन की प्रक्रिया को ठीक रखने में भी दही के स्वास्थ्य लाभ हैं। पेट के दर्द की समस्या को कम करने के लिए अजवाइन का सेवन करना भी लाभकारी हो सकता है।

# जब नशे की वजह से डूब गया था संजय दत्त का करियर इस एक्टर ने दिया था सहारा

बॉलीवुड इंडस्ट्री के अभिनेता रहे कुमार गौरव आज 66 साल के हो गए हैं। कुमार गौरव बॉलीवुड के हिट अभिनेता राजेंद्र कुमार के बेटे हैं लेकिन वह अपने पिता की तरह फिल्मी दुनिया में अपनी छाप नहीं छोड़ पाए। कुमार गौरव ने एक्टिंग की दुनिया में अपने शुरुआती दिनों में ही अच्छा-खासा नाम बना लिया था। लेकिन इंडस्ट्री में उनकी गाड़ी चल नहीं पाई। हालांकि, उन्होंने कई यादगार फिल्में जरूर दी हैं, जिसमें 'लव स्टोरी' टॉप पर है। इसके अलावा भी उन्होंने कुछ हिट फिल्मों में काम किया था और उनकी एक शानदार फिल्म ने संजय दत्त का करियर बचाने का काम भी किया था।

कम ही लोग जानते हैं कि कुमार गौरव की शादी संजय दत्त की बहन नम्रता दत्त से हुई है। दोनों ने साल 1984 में एक साथ अपनी जिंदगी की शुरुआत की थी। ऐसे में कुमार गौरव और संजय दत्त का रिश्ता काफी करीबी है। यह वही समय भी था जब संजय दत्त ड्रग्स केस में फंस चुके थे। 80 के दशक में ड्रग्स केस की वजह से संजय दत्त का करियर खतरे में पड़ गया था और तब संजय दत्त का करियर बचाने के लिए कुमार गौरव आगे आए थे। कुमार गौरव ने संजय दत्त के लिए एक फिल्म बनाई थी, जो चल पड़ी।

इस फिल्म का टाइटल 'नाम' है, जो साल 1986 में रिलीज हुई थी, जिसमें कुमार गौरव ने प्रोड्यूस किया था। इस फिल्म ने ही संजय दत्त के डूबते करियर को बचाने का काम किया था। हालांकि, इस फिल्म का आइडिया कुमार गौरव का नहीं था। फिल्म का आइडिया महेश भट्ट का था और यह फिल्म संजय दत्त के लिए वरदान की तरह साबित हुई। फिल्म में संजय दत्त के काम को खूब पसंद किया गया। इसके अलावा, 'नाम' बॉक्स ऑफिस पर भी ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म की कमाई ने 80 के दशक में धमाल मचा दिया था। हालांकि, इस फिल्म में कुमार गौरव भी नजर आए थे लेकिन फिल्म की सफलता का सारा श्रेय संजय दत्त को मिला।

कुमार गौरव 80 के दशक में चॉकलेटी ब्वॉय रहे हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 1981 में आई फिल्म 'लव स्टोरी' से की थी, जो सुपरहिट रही। इसके बाद वह भी इंडस्ट्री में छा गए थे। इसके बाद वह तेरी कसम, हम हैं लाजवाब, दिल तुझको दिया, आज, गूंज जैसी फिल्मों में नजर आए थे। उन्होंने हमेशा ही अपनी चॉकलेटी ब्वॉय वाली इमेज को तोड़ने की कोशिश की थी। लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सके। आखिरी बार कुमार गौरव साल 2006 में आई फिल्म 'माय डैडी स्ट्रांगेस्ट' में नजर आए थे। यह एक साइलेंट फिल्म थी।

# त्रिफला खाने के फायदे तो जानते होंगे लेकिन अब जानें इसके साइड इफेक्ट्स, जानें क्या है इसे लेने का सही तरीका

त्रिफला एक सदियों पुराना आयुर्वेदिक और हर्बल उपचार है, जिसमें तीन अलग-अलग फलों का संयोजन होता है। भारतीय आंवला, बेहडा और हरीतकी। यह पाउडर, कैप्सूल, जूस या अर्क के रूप में पाया जाता है और कहा जाता है कि यह डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर जैसी कई स्वास्थय समस्याओं को ठीक करने में कारगर है। त्रिफला खाने के कई फायदे भी हैं। बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए भी त्रिफला बहुत कारगर है। आपको अगर हमेशा पेट की परेशानियां रहती हैं, तो भी त्रिफला आपके लिए बहुत फायदेमंद है लेकिन इसे खाने से पहले कुछ सावधानियों के बारे में भी जरूर जान लेना चाहिए क्योंकि इसे ज्यादा या गलत तरीके से खाने पर कई साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं।

### वेट लॉस के लिए भी फायदेमंद

कुछ अध्ययनों से पता चला है कि त्रिफला अगर आप खाली पेट खाते हैं, तो इससे आपका वेट लॉस भी होता है। 62 मोटे वयस्कों के एक अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों ने त्रिफला पाउडर की 10 ग्राम दैनिक ली थी, उनका वजन, कमर, हिप्स जैसी जगहों चर्बी काफी कम थी।

### त्रिफला के सेवन से होने वाले साइड इफेक्ट्स

कई लोगों को त्रिफला खाने से दस्त और पेट दर्द की समस्याएं हो सकती है। इसके अलावा गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए त्रिफला खाना सही नहीं है, क्योंकि किसी भी वैज्ञानिक अध्ययन ने यह बात सामने नहीं आई है कि त्रिफला का सेवन उनके लिए फायदेमंद है। इसके अलावा आप अगर किसी तरह के मेडिकेशन पर है, तो इसे खाने से दवाओं का असर कम हो सकता है। वहीं, जिन लोगों को आवंला या खट्टे फलों से एलर्जी है उनके लिए भी त्रिफला सही नहीं है क्योंकि इससे उन्हें स्किन एलर्जी हो सकती है।

### त्रिफला को इस्तेमाल करने का सुरक्षित तरीका

त्रिफला की कोई मानक खुराक नहीं है, यह पाउडर, जूस, कैप्सूल, टैबलेट आदि के रूप में उपलब्ध है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि जड़ी-बूटियों के बेहतर अवशोषण के लिए खाली पेट भोजन के बीच त्रिफला का सेवन करें। त्रिफला चूर्ण के रूप में गर्म पानी में मिलाकर भोजन से पहले लिया जा सकता है। गैस, दस्त आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं जो त्रिफला के सेवन से ठीक सकती हैं। वहीं, इसके चूर्ण को आप गुनगुने पानी में मिलाकर भी पी सकते हैं।

# मेरे पेरेंट्स से ज्यादा मेरी शादी की चिंता लोगों को है: सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में अपनी डेटिंग लाइफ और शादी की अफवाहों पर बात की है। एक इंटरव्यू में सोनाक्षी ने कहा कि लोग जानना चाहते हैं कि उनकी लाइफ में क्या चल रहा है और वो खुद ही अंदाजा भी लगा लेते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि लोग उनसे सोशल मीडिया पर सिर्फ शादी के बारे में ही पूछते हैं।

### लोगों को मेरी लाइफ के बारे में जानने की बहुत उत्सुकता है- सोनाक्षी

सोनाक्षी ने कहा, मैं हमेशा ध्यान रखती हूं कि मुझे किस बारे में बात करनी है। मैं सिर्फ अपने काम के बारे में ही बात करूंगी। लोगों को हमारी लाइफ के बारे में जानने की ज्यादा उत्सुकता रहती है। वो जानना चाहते हैं कि मेरी लाइफ में क्या चल रहा है और जो वो चाहें वो अंदाजा लगा सकते हैं। जब तक कि मैं दुनिया को अपनी लाइफ के बारे में बताने के लिए तैयार नहीं होती, मैं नहीं बताऊंगी।

सोनाक्षी ने आगे कहा, मैं हमेशा से उस तरह की लड़की रही हूं। और यह मेरे सोशल मीडिया से भी पता चलता है। मैं दुनिया के साथ केवल वही शेयर करूंगी, जो मैं शेयर करना चाहती हूं और कुछ नहीं। एक व्यक्ति के रूप में यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने कुछ हिस्सों को सेक्योर करें, क्योंकि मैं हर समय हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं रहना चाहती।

### सोनाक्षी की शादी के लिए उनके पेरेंट्स से ज्यादा मीडिया परेशान है

सोनाक्षी ने अपने शादी के सवालों के बारे में बात करते हुए कहा, मेरी शादी के बारे में मेरे माता-पिता भी मुझसे इतने सवाल नहीं करते हैं, जितने कि मीडिया और लोग करते हैं। मेरे पेरेंट्स मेरी शादी को लेकर मीडिया वालों की तरह परेशान नहीं हैं।

### सोनाक्षी सिन्हा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

सोनाक्षी के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस वेब सीरीज 'दहाड़' से अपना डिजीटल डेब्यू करने जा रही हैं। उनके पास हॉरर कॉमेडी 'ककुड़ा' में भी है। एक्ट्रेस ने इस बारे में बात करते हुए कहा, मैं आप लोगों को निराश नहीं करुंगी। मुझे लगता है कि मुझे ऐसे कैरेक्टर्स प्ले करते देख आप लोगों को खुशी होगी।

# अंतरिक्ष वैज्ञानिक की देशभक्ति का जलवा कायम, नंबी नारायणन की बायोपिक रविवार को भी आगे निकली

विदेशी ताकतों के इशारे पर कांग्रेस और वाम गठबंधन की कथित मिलीभगत के चलते भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के एक वैज्ञानिक को जासूसी के झूठे आरोपों में गिरफ्तार करके रॉकेट तकनीक के मामले में देश को बरसों पीछे धकेल देने वाली सच्ची घटना का खुलासा करती फिल्म 'रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट' ने शनिवार को अपने कलेक्शन में 90 फीसदी से अधिक उछाल दर्ज करने के बाद रविवार को भी देसी फिल्मों में बॉक्स ऑफिस पर अपनी नंबर वन पोजीशन बरकरार रखी। इस फिल्म ने सिनेमाघरों में बीते शुक्रवार को पहुंची फिल्म 'खुदा हाफिज 2' के मुकाबले सिर्फ एक तिहाई शोज मिलने के बावजूद इस फिल्म से ज्यादा का कलेक्शन करना जारी रखा है। तीसरे हफ्ते में पहुंच चुकी धर्मा प्रोडक्शंस की मल्टीस्टारर फिल्म 'जुग जुग जियो' को भी माधवन की फिल्म ने रविवार को मात दी।

**दूसरे वीकएंड पर शानदार कमाई:**- पहले हफ्ते में 13.51 करोड़ रुपये की शानदार कमाई करने वाली अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायणन की देशभक्ति गाथा 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट' ने रिलीज के दूसरे शुक्रवार को 1.15 करोड़ रुपये की कमाई की थी। दूसरे शनिवार को फिल्म ने बीते दिन के मुकाबले 91.30 फीसदी का उछाल दर्ज करते हुए सभी भाषाओं में 2.20 करोड़ रुपये कमाए। और, रिलीज के दूसरे रविवार को फिल्म ने अपना कलेक्शन इससे भी बेहतर करते हुए शुरुआती आंकड़ों के हिसाब से 2.50 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया है। फिल्म की कुल कमाई बॉक्स ऑफिस पर अब 19.36 करोड़ रुपये के करीब हो चुकी है।

**फेल हो गई 'खुदा हाफिज 2':**- अभिनेता अजय देवगन का कामकाज संभालने वाले कुमार मंगत पाठक की फिल्म कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज की फिल्म 'खुदा हाफिज 2' का कलेक्शन रविवार को भी कुछ कमाल नहीं दिखा पाया। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन सिर्फ 1.35 करोड़ रुपये की ओपनिंग करके अपने निर्माताओं को काफी निराश किया था। फिल्म ने हालांकि शनिवार को अपने कलेक्शन में करीब 48 फीसदी की बढ़ोत्तरी करते हुए करीब दो करोड़ रुपये बॉक्स ऑफिस पर कमाए लेकिन रविवार को भी फिल्म की कमाई करीब करीब इतनी ही रहने की आशंका शुरुआती आंकड़ों में जताई जा रही है। फिल्म के हीरो विद्युत जामवाल की कोरोना संक्रमण काल में सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई चार फिल्मों के बाद सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली ये पहली फिल्म है।

**'जुग जुग जियो' का बेहतर वीकएंड:**- उधर, रिलीज के तीसरे हफ्ते में तीसरे शनिवार को बीते दिन के मुकाबले करीब 96 फीसदी की तरक्की दिखाने वाली धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म ने रविवार को 2.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने पहले हफ्ते में 53.66 करोड़ रुपये और दूसरे हफ्ते में 20.05 करोड़ रुपये हैं। फिल्म ने तीसरे शुक्रवार को 92 लाख रुपये, तीसरे शनिवार को 1.80 करोड़ रुपये और तीसरे रविवार को 2.20 करोड़ रुपये शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक कमाए हैं। फिल्म का नेट घरेलू कलेक्शन अब तक करीब 78.63 करोड़ रुपये हो चुका है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
All Accessories & General Electricals Items
Tata Play Connection Available
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS XI XII B.COM CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

## खास खबर

### इस्पात उद्योग संघ के माँगों को छग चेम्बर ऑफ कार्मस एण्ड इंडस्ट्रीज ने दिया समर्थन

**रायगढ़।** छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकार्मस एण्ड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील रामदास ने पूँजीपथरा स्थित जिन्दल इंडस्ट्रिल पार्क के उद्योगपतियों द्वारा किए जा रहे माँग को जायज बताते हुए कहा कि उनके माँग उचित हैं और इस विषय पर मैं नवीन जिन्दल जी से आग्रह पूर्व अपील करता हूँ कि आपके द्वारा स्थापित जिन्दल इंडस्ट्रियल पार्क के उद्योगों का संरक्षण आपका नैसर्गिक दायित्व है। इसलिए वहाँ के उद्योग निर्वाध ढंग से संचालित हों इस हेतु आपकी पहल की आवश्यकता है। क्योंकि उन उद्योगों से हजारों मजदूरों की आजीविका भी जुड़ी हुई है और साथ ही साथ रायगढ़ के अर्थव्यवस्था के संचालन में भी उन उद्योगों की अहम भूमिका है। इसलिए यहाँ संवेदनशीलता दिखाने की आवश्यकता है और मुझे आशा है कि आपकी ओर से संवेदनशीलता दिखाई जाएगी।

### सुभाषनी जॉर्ज ने ब्यूटी पेजेंट पेर्सोना मिसेज इंडिया शो मुंबई में मिसेज गुडनेस इंडिया का टाइटल जीता

**रायपुर।** माया नगरी मुंबई जीएम स्टूडियो में 1 जुलाई से 5.जुलाई तक आयोजित ब्यूटी पेजेंट शो पेर्सोना मिसेज इंडिया2022.सीजन -5.के ग्रेंड फिनाले में छतीशगढ से 2.कांटेस्टेंट में रायपुर की एक्टर मॉडल सुभाषनी जॉर्ज ने मिसेज गुडनेस का खिताब मुंबई के नामचीन हस्तीओ के बिच मिला सुभाषनी ने प्रतियोगिता के बारे में विस्तार से बताया की ब्यूटी कांटेस्ट 1.जुलाई से 5जुलाई के बिच लेमेन ट्री प्रीमियर होटल मुंबई आयोजित था !आयोजन में पुरे भारत से बेंगलोर कोलकाता हैदराबाद .पूना मुंबई अहमदाबाद रांची नागपुर छत्तीसगढ़ से लगभग 33,प्रतियोगिओं ने भाग लिया 5 दिवसीय आयोजन में प्रतियोगिता 6.केटेगरी में रखी गई थी ! 25.से 52 एज ग्रुप लिमिट में कांटेस्ट आयोजित की गई थी ब्यूटी कांटेस्ट के दौरान मुंबई के फेमस कोरिओग्राफर परिमल मेहता के दवारा बराबर 5.दिन तक सभी प्रतिभागिओ को ट्रेनिग सेशन रखा गया था समाजसेविका राजनीतिज्ञ बबिता वर्मा जी कारन सिंह प्रिंस प्रिया बे नर्जी ने शानदार आयोजन में कोई कसर नहीं छोड़ी फाइनल में मुझे आयोजन के चीफगेस्ट आकाश चौधरी करिश्मा मोदी एक्ट्रेस मॉडल अमित मित्तल के हातो मिसेज गुडनेस इंडिया का ताज पहनाकर टाइटल दिया गया।

# सोनहत के पहाड़ी अंचल के गौठानों में सामुदायिक बाड़ी बनी आजीविका का साधन

श्रीकंचपथ न्यूज

**कोरिया।** शासन की महत्वाकांक्षी नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी कार्यक्रम और गोधन न्याय योजना के अंतर्गत कोरिया के पहाड़ी क्षेत्र में बसे सोनहत विकासखण्ड में स्थानीय महिला समूह की सहभागिता से गौठान में सामुदायिक बाड़ी की आजीविका स्वरोजगार का माध्यम बन गई है। गौठानों में आयमूलक गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने के लिए सामुदायिक खेती के प्रयास गौठान समिति और स्व सहायता समूह के आजीविका का साधन बन गए है।

सोनहत के ग्राम पोड़ी, केशगवां और रजौली गौठान की सामुदायिक बाड़ी में विशेषकर टमाटर, बैंगन, लौकी, भाजी के साथ रागी उत्पादन पर फोकस किया जा रहा है। केशगवां गौठान से 65 हज़ार की सब्जी विक्रय किया

गया है, इसी तरह पोंड़ी और रजौली गौठान से 10 हज़ार रुपये से ज्यादा का सब्जी विक्रय कोया जा चुका है।

ग्राम पोड़ी में साक्षर भारत महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा सामुदायिक कृषि के विभिन्न आयामों की सफ्लता का स्वरूप स्थानीय वासियों को नजर आने लगा है। इसी समूह के द्वारा 6 लाख रुपये कीमत का वर्मी कंपोस्ट बनाकर विक्रय किया गया है जिससे समिति के खाते में लाभांश की राशि 2.74 लाख रुपए हस्तांतरित होने से समूह के सदस्यों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

ग्राम पोड़ी के महामाया महिला स्व सहायता समूह की सदस्य बीराबाई बताती है कि केंचुए के उत्पादन और बिक्री से समूह को 84 हजार रुपयों की आय अनुदान से प्राप्त हुई है। इसी तरह ग्राम पुसला की जय कुमारी ने बताया कि 65 हज़ार रुपये की आय समूह को मुर्गी व बटेर पालन एवं विक्रय से हुई। विकासखंड के सलगवा, पुसला, घुघरा में गौठान समिति के सदस्यों के द्वारा चारागाह क्षेत्र में उगाई जा रही नेपियर घास का अन्य समितियों को विक्रय करके लगभग 5 लाख रुपयों की आय अर्जित की गई है। सोनहत एसडीएम अमित सिन्हा ने बताया कि जिला कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री कुणाल दुदावत के सतत मार्गदर्शन में सुराजी योजना के विस्तार के लिए ग्राम वासियों को जागरूक प्रयासों के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सोनहत विकासखंड के समस्त 39 गौठान में बाड़ी विकास कार्य की शुरुआत की जा रही है, उक्त कार्य की मनरेगा योजना के अंतर्गत स्वीकृति जिला प्रशासन के द्वारा दी जा रही है। पहाड़ी क्षेत्र में पानी की समस्याओं के लिए कृषक सदस्यों को सब्सिडी स्प्रिंकलर सेट की सुविधा दिलाई गई है। गौठानों में नियमित रूप से पशु स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण शिविर लगाए जाने के निर्देश दिए। गौठान से जुड़े महिला स्व-सहायता समूहों बकरी पालन, मुर्गी पालन, बटेर पालन, पशुपालन आदि के लिए भी प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें विभागीय योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए है। शीघ्र ही गौठानों में पशुओं के लिए कृत्रिम गर्भाधान, वत्सोत्पादन, बधियाकरण, टीकाकरण आदि के लिए शिविर लगाए जाने की भी योजना है।

### इंगलैंड में होगा इंटरनेशनल वेटरन क्रिकेट :

# छत्तीसगढ़ से इंडियन टीम के पूर्व क्रिकेटर राजेश चौहान होंगे शामिल; 50+ के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

श्रीकंचपथ न्यूज

**भिलाई।** इंग्लैंड में इंटरनेशनल वेटरन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं। इस प्रतियोगिता में भारत सहित इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और वेल्स की वेटरन टीम ( 50 प्लस ) हिस्सा ले रहीं है। इस अंतरराष्ट्रीय वेटरन क्रिकेट स्पर्धा में भिलाई से पूर्व भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी राजेश चौहान शामिल होंगे। राजेश वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन (वीसीए) आफ इंडिया फिफ्टीज (50 प्लस) से खेलेंगे।

यह प्रतियोगिता 50 से अधिक उम्र

वालों के खिलाड़ियों के लिए आयोजित की जा रही है। यह एक फ्रेंडली सीरीज है। भारत की ओर से बनाई गई टीम में दो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल होंगे। इसमें से पहला नाम राजेश चौहान और दूसरा संजीव शर्मा का है। इस अंतरराष्ट्रीय वेटरन क्रिकेट प्रतियोगिता का लाइव प्रसारण एक यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा।

पूर्व क्रिकेटर राजेश चौहान भारतीय क्रिकेट टीम से खेल चुके हैं। इन्होंने छत्तीसगढ़ में क्रिकेट खेल को आगे बढ़ाने के लिए काफी कार्य किया है। इन्होंने भिलाई के कल्याण कॉलेज ग्राउंड में गोविंद चौहान क्रिकेट एकेडमी की शुरूआत की थी।

राजेश छत्तीसगढ़ से एक मात्र इंटरनेशनल क्रिकेट खिलाड़ी हैं। वर्तमान में उनकी लष्ट्र एकेडमी का संचालन विराज चौहान द्वारा किया जा रहा है।

# जिला प्रशासन द्वारा युवाओं के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए की जा रही पहल सराहनीय - गोस्वामी

श्रीकंचपथ न्यूज

**मुंगेली।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप जिले के युवाओं के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए जिला प्रशासन द्वारा सैन्य बल एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस तारतम्य में कल 09 जुलाई को नगर पालिका परिषद मुंगेली के अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी और कलेक्टर राहुल देव ने जिला मुख्यालय स्थित छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउस में सैन्य बल एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए आवासीय सुविधा में रह रहे 150 युवाओं को वहां नि:शुल्क मच्छरदानी, बेडशीट व पाठ्य सामग्री वितरण किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री गोस्वामी ने वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा युवाओं के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण का लाभ उठाकर सफल होने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्री देव ने कहा कि सैन्य बल एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं को किसी भी चीज की कमी नहीं होने दी जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा जिले के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा। इससे पहले युवाओं द्वारा मुख्य अतिथि श्री गोस्वामी और कलेक्टर श्री देव का तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया गया।

युवाओं में सैन्य बल एवं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को लेकर काफी उत्साह है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री रामभजन देवांगन ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एसडीएम मुंगेली श्री अमित कुमार, संयुक्त कलेक्टर श्री नवीन भगत सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

# गर्ल्स कॉलेज में छात्रायें सीखेंगी नृत्य, योगा और फैशन डिजाईन

श्रीकंचपथ न्यूज

**दुर्ग।** शहर के शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र से विभिन्न वैल्यु एडेड कोर्स प्रारंभ किये जा रहे है। इन पाठ्यक्रमों की शुरूआत इसलिए की जा रही है ताकि छात्राओं को अपने नियमित विषयों के साथ अतिरिक्त ज्ञान प्राप्त हो सके जो उन्हें, नौकरी, प्रतियोगी परीक्षाओं अथवा स्वरोजगार के क्षेत्रों में काम आए। इन सभी कोर्स की अवधि 30 घंटे है जो अधिकतम 15-20 दिन में पूर्ण किए जावेंगे। इनमें महाविद्यालय के विभिन्न विभाग इन पाठ्यक्रमों का संचालन करेंगे।

नृत्य विभाग द्वारा - नृत्यांजली के अन्तर्गत भरतनाट्यम तथा नृत्य के मूल सिद्धान्तों पर पाठ्यक्रम

बनाया गया है। इसी तरह क्रीड़ा विभाग द्वारा दो कोर्स का संचालन किया जा रहे है ये है - योगा फॉर वुमेन हेल्थ तथा आत्मरक्षा जूडो कराते के द्वारा। गृह विज्ञान विभाग द्वारा कौशल विकास से संबंधित तथा कम्प्यूटर साईंस विभाग द्वारा एक्सेल और बेसिक कम्प्यूटर नॉलेज पर कोर्स संचालित किया जावेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि पूर्व सत्र में ऑनलाईन कुछ कोर्स संचालित किए गए थे जिसका अच्छा प्रतिसाद मिला था। इन पाठ्क्रमों में छात्राओं को परीक्षा दिलानी होगी। लिखित एवं प्रायोगिक दोनों माध्यमों से मूल्यांकन उपरांत प्रमाण-पत्र दिए जावेंगे। इन सभी पाठ्यक्रमों में अध्यापन कार्य हेतु बाह्य विषय-विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जावेगा जो उस क्षेत्र में महारत रखते हैं और उसका लाभ छात्राओं को मिलेगा। इन सभी पाठ्यक्रमों में 40 सीटें रखी गयी है तथा कई बैच में ये पाठ्यक्रम संचालित होंगे। अभी इन पाठ्यक्रमों में केवल महाविद्यालय की नियमित छात्राएँ ही शामिल होंगी। भविष्य में कुछ अन्य विषयों पर भी वैल्यु एडेड कोर्स प्रारंभ किये जावेंगे।

# छोटी और घातक फोर्स के भारतीय वायुसेना के विजन को पूरा करती है अग्निपथ योजना : एयर चीफ मार्शल

श्रीकंचपथ न्यूज

**नई दिल्ली (पीआईबी)।** एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को कहा कि अग्निपथ योजना भारतीय वायुसेना के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के तहत लाई गई है। उन्होंने साफ किया कि नई भर्ती प्रणाली वायुसेना की संचालन क्षमता को किसी भी तरह से कम नहीं करेगी। वायुसेना प्रमुख ने बताया कि चार साल की नियुक्ति अवधि में 13 टीमें अग्निवीरों के नामांकन, रोजगार, मूल्यांकन और प्रशिक्षण का जिम्मा संभालेंगी। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन से पेंशन और अन्य खर्चों में होने वाली कोई भी कमी महज आकस्मिक है और इसे सुधार लागू करने की वजह नहीं मानना चाहिए।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, अग्निपथ योजना भारतीय वायुसेना के श्रमशक्ति के बेहतर दोहन के अभियान को आगे बढ़ाती है। यह काम एक दशक से चल रहा है और जिसके तहत हमने कई मानव संसाधन नीतियों और संगठनात्मक संरचनाओं की समीक्षा की है। यह योजना सबसे अच्छे मानव संसाधन के साथ छोटे और घातक बल होने के भारतीय वायुसेना के दीर्घकालिक दृष्टिकोण की पूरक है, क्योंकि हम दृढ़ता से मानते हैं कि जरूरत के समय में किसी भी बल में शामिल पुरुष और महिलाएं उसकी ताकत को साबित करते हैं।

नई भर्ती योजना के तहत भारतीय वायुसेना के लगभग 3,000 पदों के लिए तकरीबन 7,50,000 आवेदकों ने पंजीकरण कराया है। 14 जून को घोषित अग्निपथ योजना के तहत सशस्त्र बलों में केवल चार साल के लिए साढ़े 17 से 21 वर्ष तक के युवाओं की भर्ती करने का प्रावधान है, जिनमें से 25 फीसदी की सेवाएं 15 और वर्षों के लिए बरकरार रखी जाएंगी। साल 2022 के लिए भर्ती की ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष किया गया है।

पिछले महीने भारत के कई हिस्सों में अग्निपथ योजना के खिलाफ हिंसक विरोध-प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने यह कहते हुए योजना को वापस लेने की मांग की कि नई भर्ती प्रणाली 75 फीसदी अग्निवीरों को नौकरी की गारंटी नहीं देती है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, लगातार बदलती और विकसित होती तकनीक के साथ एक वायु योद्धा से अपेक्षित बुनियादी कौशल में भी गुणात्मक बदलाव आया है। हमें लगता है कि आज के युवा न सिर्फ अलग और आवश्यक कौशल रखते हैं, बल्कि प्रौद्योगिकी के मामले में भी बेहद दक्ष हैं।

उन्होंने दावा किया कि संगठनात्मक आवश्यकताओं और युवाओं की आकांक्षाओं के बीच तालमेल भारतीय वायुसेना को बेहद प्रभावी बल बनने के लिए आदर्श परिस्थिति मुहैया करेगा। वायुसेना प्रमुख ने कहा, एक पुनर्गठित प्रशिक्षण प्रणाली, जो हमारी परिचालन प्रतिबद्धताओं के लिए समकालीन, प्रौद्योगिकी-आधारित और विशेष रूप से निर्मित है, उसके साथ हम योजना के कार्यान्वयन को निर्बाध बनाने की परिकल्पना करते हैं।

सशस्त्र बलों में मानव संसाधन में बदलाव की आवश्यकता पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया है और करगिल समीक्षा समिति की सिफारिशों पर धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं।

### अभाविप ने स्थापना दिवस पर मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

**कोरबा।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कोरबा ने अपना 74 वा स्थापना दिवस महाराणा प्रताप भवन बुधवारी में कार्यक्रम मनाया मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नगर संघ चालक डॉ.विशाल उपाध्याय, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् प्रांत छत्तीसगढ़ के सह संगठन मंत्री महेश साकेत रायगढ़ विभाग संयोजक मोंटी पटेल रायगढ़ विभाग की छात्रा प्रमुख सुश्री मनीषा सोनी उपस्थित रही सर्व प्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती एवं युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय में सर्वश्रेष्ठ अंको से उत्तीर्ण हुए है एवं अपने विद्यालयों का नाम रोशन किए हैं।


CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

Y Fitness
start 17500/-
Bajaj Finance Available
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

Rajesh Yadav 79870-71513, 97557-11120
Shubh Aqua
The Promise of 100% Pure Water
RO Water Purifier
Free Service RO All Brand
Spare Parts, Wholesale Rate, Sales & Service
KENT RO SALES & SERVICE
Shop No. - 03, Vinoba Nagar, Near, Surya Mall, Junwani Raod, Bhilai

MISCHIEF Men's Store UPTO 70% OFF
Complete Multibrand Store
Mo.-7999112303
mischieforignals
Shop NO. 7A/5, Ekta Tower Dakshin, Gangotri, Supela, Bhilai (C.G.)

राजहंस राजस्थानी थाली
पार्सल सुविधा
स्वाद घर का.....
राजस्थानी पारंपरिक व्यंजनों की स्वाद का आनंद लें
घड़ी चौक के सामने, गौरी लॉज के नीचे, सुपेला, भिलाई
संतोष शर्मा : 9649604367 देवीलाल शर्मा : 9783391314 प्रतीक दवे : 9752525050

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

## खास-खबर

### चोरी के आरोप में नाबालिग पकड़ाया, दो मोबाइल-लैपटॉप जब्त

**रायपुर (ए)।** पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के अलग-अलग मकानों में चोरी करने वाले नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से चोरी के दो मोबाइल और एक लैपटॉप जब्त किया गया है। थाने में गणेश साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि लाखेनगर में एक किराए के मकान में परिवार के साथ रहते हैं। दो जुलाई की रात मोबाइल फोन को खिड़की के पास चार्जिंग में रखकर सो गए। खिड़की खुली हुई थी। सुबह उठे तो उनका मोबाइल गायब था। वहीं, उनके पड़ोसी ऋषभ अवस्थी ने बताया कि उनके घर के नेट डोर का जाली काटकर नगदी चोरी हुई है। चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो आरोपित का सुराग मिला। पुलिस ने नाबालिग को पकड़कर पूछताछ की तो उसने चोरी का अपराध स्वीकार किया।

### दुकान में चोरी करने वाला गिरफ्तार

**रायपुर (ए)।** राजधानी के गोलबाजार स्थित दुकान से चोरी करने के आरोपित सैय्यद महबूब को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गोलबाजार थाने में अशिफ इकबाल मीरखान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नयापारा मस्जिद के सामने गली में रहते हैं। घर में ही किराना दुकान चलाते हैं। शुक्रवार की रात दुकान बंद कर घर के अंदर किराना का सामान निकालने गए थे। कुछ देर बाद दुकान में आए तो चार्जिंग में लगा मोबाइल, सिगरेट के छह-सात पैकेट और दराज में रखी राशि गायब थी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी थी। पुलिस ने आरोपित की पहचान सैय्यद महबूब निवासी गोलबाजार के रूप में की। सैय्यद के पास से चोरी का सामान जब्त किया गया है।

### आटो चालक को बेल्ट व डंडा से पीटा आरोपी फरार

**बिलासपुर (ए)।** सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पूरानी रंजिश के चलते युवकों ने बेल्ट व डंडा से आटो चालक के साथ जमकर मारपीट की। इससे चालक को चोट लगी है। घटना के बाद सभी आरोपित फरार हो गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मारपीट के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

ईमलीपारा के केशरवानी गली के रहने वाले मनोज कुमार तिवारी आटो चलाने का काम करते हैं। नौ जुलाई की रात 1.20 बजे आटो लेकर बजरंग काम्पलेक्स के सामने महाराणा प्रताप चौक के पास खड़े थे। सवारी के इंतजार कर रहे थे। इस बीच वहां कृष्ण कुमार चौहान भी पहुंच गया। फिर दोनों एक साथ बातचीत कर रहे थे। दोनों के बीच पारिवारिक बातें हो रही थी। उसी समय साहिल कश्यप, अय्या उर्फ अजय और उसके अन्य साथी वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर मनोज तिवारी के साथ गाली-गलौज करने लगे। मनोज ने गाली देने से मना किया। तब सभी आरोपितों ने एक साथ मिलकर राड, डंडा व बेल्ट से मनोज तिवारी के साथ मारपीट करने लगे। इस दौरान कृष्ण सिंह चौहान ने बीच बचाव किया, लेकिन आरोपितों ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी। तब कृष्ण चौहान सड़क किनारे चले गए। सभी आरोपितों ने मनोज के साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद सभी आरोपित वहां से फरार हो गए। मारपीट से पीड़ित के दाहिने पैर, व्होट, सिर, बांये हाथ के भुजा, सिर, सिने में चोट लगी है। पीड़ित ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

# पत्नी की गला घोंटकर हत्या फिर पंखे से लटकाया शव

## आरोपी बोला- वो चरित्रहीन थी, कहती थी- तुम्हारे सामने 10 पुरुषों से संबंध बनाऊंगी

**बेमेतरा (ए)।** बेमेतरा में एक युवक ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव को पंखे से फांसी पर लटका दिया और फिर थाने जाकर सरेंडर कर दिया। आरोपी ने दावा किया कि पत्नी के अवैध संबंध थे। मना करता तो झगड़ती थी। कहती थी- तलाक दे दो, फिर तुम्हारे सामने ही 10 पुरुषों से संबंध बनाऊंगी। इसके चलते पत्नी को मार दिया। मामला सेमरिया चौकी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, खंडसरा निवासी सुशील साहू (28) कुछ समय पहले अपनी पत्नी रानी साहू (25) के साथ नौकरी के लिए लखनऊ गया था। आरोप है कि वहां उसने अपनी पत्नी रानी को किसी अन्य आदमी के साथ संबंध बनाते देख लिया। इसे लेकर दोनों में झगड़ा हुआ और वे अलग होने पर तैयार हो गए। हालांकि परिजनों के समझाने पर दोनों एक साथ रहे और लखनऊ से 6 जुलाई की शाम बेमेतरा पहुंचे। अगले दिन सुशील सिटी कोतवाली पहुंचा और पत्नी की शिकायत कर दी। साथ ही तलाक को लेकर वकील से भी राय ली। वहां से दोपहर करीब 1.30 बजे घर पहुंचा। इस दौरान पत्नी के अवैध संबंधों को लेकर दोनों के बीच फिर विवाद होने लगा। इस पर सुशील ने गुस्से में रानी का गला घोंट दिया। हत्या के बाद वह रानी के शव को घसीटकर कमरे में ले गया। वहां साड़ी से फंदा बनाकर शव को सीलिंग फैन में लटका दिया।

### पुलिस चौकी पहुंचकर किया सरेंडर

इसके बाद सुशील पुलिस चौकी पहुंच गया। बताया कि उसने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी है और शव को फांसी से लटका दिया है। सुशील ने यह भी पुलिस को बताया कि विवाद के दौरान रानी ने उससे कहा था कि वह तलाक ले रहा है। अब इसी तरह 10 पुरुषों को मेरे सामने ही बुलाकर गलत संबंध बनाएगी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

# एक ही जमीन को दो लोगों को बेचा, अपराध दर्ज

**बिलासपुर (ए)।** एक जमीन को दो लोगों से बेचने का मामला सामने आया है। एक खरीदार ने जमीन मालिक के खिलाफ सरकंडा थाने में शिकायत की है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। तोरवा थाना क्षेत्र के पंप हाउस के पास रहने वाले दीपक मौर्य की राजकुमार भारद्वाज से जान पहचान थी। राजकुमार ने सीपत क्षेत्र के ग्राम लिमतरा में स्थित जमीन को बेचने के लिए दीपक से एक लाख रुपये में सौदा किया। इसके बाद 21 जून 2021 को 50 रुपये के स्टाम्प पेपर पर नोटरी की गई।

सरकंडा के राजकिशोर नगर के बसंत विहार के पास स्थित कार्यालय में नोटरी करवाकर 80 हजार रुपये चेक और नकदी 20 हजार रुपये दिए। राजकुमार ने जमीन की ऋण पुस्तिका दीपक को सौंप दी। इस बीच राजकुमार भारद्वाज ने उसी जमीन का मुख्तियारआम जसवंत सिंह आजमानी को दे दिया गया। उसने उस जमीन धीरज कुमार झा को बेच दी। दीपक के नाम पर जमीन रजिस्ट्री नहीं हुई।

तब धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद उन्होंने राजकुमार से कई बार संपर्क किया और रकम या जमीन दिलवाने के लिए कहा। लेकिन राजकुमार टालमटोल करता रहा। परेशानी होकर रविवार को पीड़ित दीपक मौर्य ने सरकंडा थाना में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपित राजकुमार के खिलाफ धोखाधड़ी के तहत अपराध दर्ज किया है।

### एक साल तक बनाता रहा बहाने

पीड़ित दीपक मौर्य ने 21 जून 2021 को जमीन का सौदा तय कर एक लाख रुपये आरोपित राजकुमार को दिए थे। कुछ दिनों बाद जब रजिस्ट्री के लिए टालमटोल करने लगा। धोखाधड़ी का पता चलने के बाद पीड़ित अपने जमीन दिलवाने की मांग करते रहे। आरोपित राजकुमार एक साल तक बहाने बनाकर घुमाता रहा। लेनदेन के एक साल बाद पीड़ित ने अपराध दर्ज कराया है।

## पिकअप पलटी, 12 लोग घायल, 2 गंभीर

# दशगात्र में शामिल होने जा रहे थे, बाइक को ओवरटेक करने के चलते हुआ हादसा

**कोरबा (ए)।** छत्तीसगढ़ के कोरबा में हुए सड़क हादसे में 12 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें से 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। ये सभी पिकअप में सवार होकर दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। उसी दौरान पिकअप के अनियंत्रित होने के चलते ये हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि पिकअप ड्राइवर बाइक को ओवरटेक करना चाह रहा था। जिसके चलते पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा उरगा थाना क्षेत्र में हुआ है।

मसान गांव के ही 25 लोग एक पिकअप में सवार होकर रविवार सुबह के वक्त जांजगीर जा रहे थे। सभी

जांजगीर के रेड़ा गांव दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने निकले थे। पिकअप अभी मड़वारानी से आगे भेलवगुड़ी के पास पहुंची थी। उसी वक्त एक बाइक सवार भी तेज गती मे निकल रहा था। ड्राइवर उसे ही ओवरटेक करना चाह रहा था। मगर रास्ता खराब होने के कारण पिकअप तेज से एक गड्ढे में जा घुसी। फिर अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी। गाड़ी में महिलाएं भी सवार थीं। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे थे। इसके बाद घायलों को अस्पताल भेजा गया है। 12 से ज्यादा लोग घायल हैं। घायलों में भी महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल 2 की हालत गंभीर बताई है। सभी का इलाज जारी है। पुलिस भी खबर लगने पर मौके पर पहुंची थी।

# युवक दोस्तों के साथ तालाब में नहाकर घर आया और लगा ली फांसी

**बिलासपुर (ए)।** युवक अपने दोस्तों के साथ तालाब में नहाकर घर आया। फिर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर फांसी लगा ली। सूचना पर सीपत पुलिस जांच करने मौके पर पहुंची। फंदे से उतारकर शव की तलाशी ली तो मृतक के जेब में सुसाइड नोट मिला। इसमें लिखा था मेरे मरने के बाद घर वालों को कोई परेशान न करें। सुसाइड नोट में आत्महत्या का कारण नहीं लिखा है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी है।

सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम खैरा डगनिया के रहने वाला विवेक साहू पिता रमानंद साहू (20) पचपन से मटियारी में अपने मामा संतोष साहू के साथ रहते थे। विवेक अपने मामा के मोटर साइकिल गैरेज में काम करते थे। विवेक नौ जून की दोपहर 12.30 बजे अपना काम खत्म करने के बाद दोस्तों के साथ घूमने चले गए। दोपहर करीब 1.30 बजे वे दोस्तों के साथ नहाने तालाब गए। वहां से वापस घर आ गए। इस दौरान घर में अन्य सदस्य नहीं थे। दोपहर 2.30 बजे अपने कमरे में पंखे के हूक से रस्सी डालकर फांसी लगा ली। कुछ समय बाद स्वजन घर पहुंचे। विवेक को आवाज दी गई, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

इसके बाद दरवाजा को खोलने का प्रयास किया तो दरवाजा अंदर से बंद था। इससे स्वजन को शंका हुआ। खिड़की से देखा तो विवेक का शव फंदे से लटक रहा था। इसके बाद स्वजन ने सीपत पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस की टीम जांच करने मौके पर पहुंची। मृतक के शव को फंदे से नीचे उतार कर तलाशी ली गई। जेब में सुसाइड नोट मिला। इसमें मौत के बाद घर वालों को परेशान न करने की बात लिखी है। पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजन को सौंप दिया है। पूछताछ में स्वजन ने भी आत्महत्या की वजह जानने से इन्कार किया है। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना में जुटी है।

# सकरी में तालाब में नहाने के दौरान डूबने से बुजुर्ग की मौत

**बिलासपुर (ए)।** सकरी थाना क्षेत्र में के तालाब के अंदर 65 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिला है। पूछताछ में स्वजनों ने पुलिस को बतया कि नहाने के लिए तालाब गया था। संभवता नहाने के दौरान डूबने से मौत हुई होगी। सूचना पर पुलिस जांच करने मौके पर पहुंची। फिलहाल पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। अमेरी के बाजारपारा के रहने वाले मनवा मधुकर पिता स्व. मोहन मधुकर के परिवार रोजी मजदूरी का काम करते हैं। शनिवार को दोपहर 12.30 बजे मनवा मधुकर स्वजनों को नहाने जाने की बात बोलकर घर निकला था। इसके बाद वह लौटकर वापस घर नहीं आया।

खाना खाने का समय होने के बाद भी वह घर नहीं पहुंचा। इससे स्वजनों ने आसपास खोजबीन किया। लेकिन उसका पता नहीं चला। तब स्वजनों ने तालाब के तरफ गए। वहां तालाब के किनारे मनवा के कपड़े मिला। आसपास देखने पर पानी के अंदर उसका शव मिला। उसकी मौत हो चुकी थी। यह घटना गांव में आग की तरह फैल गई। दोपहर को घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। खबर मिलते ही स्वजन भी मौके पर पहुंच गए। इस बीच किसी ने सकरी पुलिस को सूचना दी।

पुलिस की टीम जांच करने मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से पानी के अंदर से शव को बाहर निकाला गया। पंचनामा कार्रवाई करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पूछताछ में स्वजनों ने बताया कि वे दोपहर को रोजाना नहाने के तालाब जाते थे। पिछले कुछ दिनों से शरीर में कमजोरी महसूस कर रहे थे। सकरी पुलिस का कहना है कि शव को देखने से पता चला कि बुजुर्ग शारीरिक रूप से कमजोर था। संभवता नहाने के दौरान चक्कर आने से तालाब के अंदर पानी में गिरकर डूब गया होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल पोस्टमार्टम के बाद शव को स्वजनों को सौंप दिया गया है।

# युवकों ने कैटरिंग व्यवसायी और उनके भाई को लोहे के पाइप से पीटा

**बिलासपुर (ए)।** दो युवकों ने मिलकर कैटरिंग व्यवसायी और उनके भाई के लोहे के पाइप से जमकर मारपीट की। इससे दोनों भाइयों को गंभीर चोट लगी है। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया। इसके बाद दोनों आरोपित वहां से भाग निकले। खून से लथपथ पीड़ित युवक सिटी कोवताली थाने पहुंचे। वहां पुलिसकर्मियों को घटना के संबंध में जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने दोनों को सिम्स में भर्ती कराया है। पीड़ितों की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपितों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के गोंडपारा साई मंदिर के पास रहने वाले अंशुल सोनी कैटरिंग संचालक हैं। शादी समारोह से लेकर अन्य प्रकार के पार्टी कार्यक्रमों में खाना बनाने आर्डर लेते हैं। रविवार की रात आठ बजे अंशुल सोनी अपने घर पर थे। परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। इसी दौरान चिंटू का फोन आया और उन्होंने बताया कि आपके छोटा भाई के साथ दो लोग मारपीट कर रहे हैं। इसके बाद अंशुल तत्काल राजाराम मंदिर के पास पहुंचे। वहां अंशुल के छोटे भाई अतुल सोनी को पवन तिवारी और बजरंग तिवारी ने मिलकर गाली-गलौज करते हुए लोहे के पाइप से मारपीट कर रहे थे। जिसे देखकर अंशुल बीच-बचाव करने पहुंचे। पवन और बजरंग गाली-गलौज करते हुए अंशुल के साथ भी जमकर मारपीट करने लगे। आरोपितों ने लोहे के पाइप से दोनों भाइयों के सिर पर वार कर दिया। इससे दोनों के सिर पर गंभीर चोट लगी है। खून से लथपथ दोनों भाई जमीन पर गिर गए। इसके बाद आरोपित पवन और बजरंग वहां से फरार हो गए। फिर किसी तरह घायल दोनों भाई कोतवाली थाना पहुंचे और पुलिस को घटना के संबंध में जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने घायलों को सिम्स में भर्ती कराया। सिम्स के केजुअल्टी वार्ड के डाक्टरों ने तत्काल इलाज शुरू किया। फिल हाल दोनों भाइयों की हालत स्थित है। अपराध दर्ज करने के बाद पुलिस की टीम आरोपितों को पकड़ने घटना स्थल पहुंची। लेकिन दोनों आरोपितों का पता नहीं चल पाया है।

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. __- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

## खास - खबर

### जिस मेडिकल कॉलेज में बिटिया पढ़ती है वहीं साहू दंपत्ति ने किया देहदान

**दुर्ग।** प्रदीप्ति नगर,बोरसी ,दुर्ग के साहू दंपत्ति ने उस मेडिकल कॉलेज के नाम देहदान की वसीयत लिखी है, जहां उनकी बिटिया मेडिकल की पढ़ाई कर रही है ! मानवता की भलाई के लिए देहदान की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत करने वाले रेलवे कर्मचारी प्रहलाद कुमार साहू और उनकी पत्नी श्रीमती उत्तरा साहू ने सामाजिक संस्था प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी की काउंसलिंग के पश्चात उनके माध्यम से देहदान की वसीयत जारी की। उन्होंने भारती आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज दुर्ग के नाम देहदान की वसीयत जारी की गई है जहां उनकी बिटिया शालिनी साहू बीएमएस फर्स्ट इयर की स्टूडेंट है ! देहदान के उद्देश्य के बारे में साहू दंपत्ति ने कहा कि,मानवता की भलाई के लिए मरने के बाद हमारा मृत शरीर पर मेडिकल स्टूडेंट अध्ययन कर जिन्दा समाज के लिए बेहतर सेवा दे सकेंगे, हमारी बिटिया जिस मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही है वहां अपना शरीर दान कर हम खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं ! देहदान करने वाले साहू दंपति ने परस्पर एक दूसरे की वसीयत में उत्तराधिकारी रिश्तेदार के रूप में हस्ताक्षर कर अपना भावनात्मक सहयोग प्रदान किया ! देहदान की इस नेक पहल के दौरान उपस्थित जनों में प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी के अलावा साहू दंपति की पुत्री शालिनी साहू और उनके पुत्र खुशाल साहू ने भी अपनी सहमती देकर मानवता की भलाई का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया ! प्रनाम के द्वारा विगत 14 वर्षों से भी ज्यादा समय से भिलाई दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में देहदान एवं नेत्रदान की अभिनव पहल अनवरत जारी है।

# बीएसपी में आईकॉनिक वीक में 'रन फॉर स्टील' का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईकॉनिक वीक के तहत आज 10 जुलाई, 2022 को भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक और नागरिक सुविधाएं विभाग ने रन फॉर स्टील दौड़ का आयोजन किया गया। सुबह 7.00 बजे इस्पात भवन के सामने से संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रभारी (कार्मिक एवं प्रशासन) के के सिंह ने धावकों को झंडी दिखाकर रवाना किया।इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान) तपन सूत्रधार, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) एस मुखोपाध्याय, सीएमओ इंचार्ज (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ एम रविंद्रनाथ तथा संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधकगण और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह दौड़ लगभग 3 किलोमीटर की थी। इस्पात भवन से प्रारंभ होकर हैंडबाल मैदान में समाप्त हुई। इस दौड़ में नर्सिंग कॉलेज, सेक्टर -9 से लगभग 200 बालिकाओं ने, बी एस एफ रिसाली, भिलाई से 50 से अधिक और हरभजन एकाडमी (एक्स आर्मी फिटनेस ट्रेनिंग सेंटर) के लगभग 150 से अधिक सदस्यों, सेल एथलेटिक्स एकादमी औरमरोदा एथलेटिक्स क्लब, हैडबाल अकादमी एवं बी एस पी बाक्सिंग क्लब के सदस्य सहित कुल 675 से अधिक धावकों ने भाग लिया। इसके साथ ही संयंत्र बिरादरी के अधिकारियों और कार्मिकों ने भी दौड़ में उत्साह वर्धन के लिए भागीदारी दी।दौड़ का समापन हैंडबाल मैदान, सेक्टर -4 में हुआ। इस अवसर पर दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार वितरित भी किया गया।

पुरस्कार वितरण कार्यपालक निदेशक प्रभारी (कार्मिक एवं प्रशासन) के के सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। पुरुष वर्ग में प्रथम - मुकेश कुमार 146, द्वितीय - ओमकार वर्मा 147, तृतीय - गिरीश कुमार 136, चतुर्थ - आशुतोष कुमार बिन्द 135, पांचवां - उमाशंकर मंडावी 143, छंटवा - कुशाल मंडावी 142, सांतवां - जितेन्द्र वर्मा 148, आंठवा - उमेश यादव 141, नौवां - महावीर सपहा 131, दसवां - आकाश राय 31 । महिला वर्ग में प्रथम - प्रियंका साहू 157, द्वितीय - शीतल कुशवाहा 01, तृतीय - रुक्मिणी साहू 156, चतुर्थ - प्रतिमा साहू 158, पंचम - रिम्पल साल 02, छंटवा - गुरप्रीत कौर 21, सांतवा - काजल 06, आठवां - प्रियंका कुशवाहा 07, नौवां - आरती यादव 26, दसवां - प्रगति प्रसाद 24 रही।इस अवसर पर मुख्यालय के कार्यवाहक महानिरीक्षक अरविंदर सिंह सीमान्त मुख्यालय सीमा सुरक्षा बल (विशेष संकिया) छत्तीसगढ़ ने उपस्थित समस्त अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी, जवानों और आम नागरिको को धन्यवाद देते हुए2.5 किमी0 की रन फॉर स्टील में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल, सीमांत मुख्यालय से इंस्पेक्टर सुभाष और सब इंस्पेक्टर अनुज कुमार विशेष रुप से उपस्थित थे।

# जवाहर नगर में आर्टकॉम ने किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** वृक्षारोपण का पर्याय बन चुकी संस्था आर्टकॉम ने जवाहर नगर में संस्था के सभी सदस्यों के साथ वृक्षारोपण किया। इस वृक्षारोपण हेतु संस्था को जवाहर नगर के युवा पीयुष अग्रवाल ने आमंत्रित किया । संस्था संचालक निशु पाण्डेय ने बताया की पियूष अग्रवाल एक ऐसे युवा है जो वृक्ष और वृक्षारोपण की महत्व को समझते हुए जवाहर नगर में निरंतर पौधों का रोपण कर रहे हैं उसके साथ युवा टीम काम कर रही है उनके सहयोग से श्री राम वाटिका का निर्माण किया गया जहाँ आज वृहद स्तर पर सभी प्रकार के पौधों को रोपा गया।

आर्टकॉम के मुहीम हर आँगन एक पेड़ को सभी वर्ग के लोगो का समर्थन मिल रहा हैं जिसमे आज शहर के पुर्व सी एस पी वीरेंद्र सतपती संस्था के सदस्य एवं भिलाई स्वच्छता ब्रांड एम्बेसेडर द्वारा विशेष आमंत्रित थे एवं सतपती जी ने संस्था के कार्य को देखते हुए निरंतर इस मुहीम का हिस्सा बनने की बात कही एवं भिलाई के प्रमुख लोगो को हर आँगन एक पेड़ मुहीम से जुड़ने आव्हान किया। आज वृक्षारोपण हेतु जवाहर नगर के पराग सिंह यादव , श्रेयस गुप्ता, आयुष सिंह,अजय कांत वर्मा, सुभाकर चौहान,दिवाकर चौहान, मोहित सोनकर ,काव्य सिंह, आनंद वर्मा, शिव दत्त जी, अनिल दुबे जी, पार्षद नोहर वर्मा जी, विभोर दुर्गरकर एवं संस्था के करमजीत सिंह ,शारदा गुप्ता नीलकमल सोनी ,हंसराज पटेल ,बॉबी देवोल ,मदन सेन,गुरनाम सिंह , संतोष जैसवाल, भास्कर तिवारी , चंद्रेश जैन ,राजेश सिंह ,गोविन्द गुप्ता उपस्थित थे ।

# वोरा ने कलेक्टर समेत अन्य अधिकारियों से चर्चा की तलाशी अभियान में तेजी लाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** शिवनाथ नदी में डूबने के 24 घंटे बाद भी तुषार साहू (14 साल) की बॉडी नहीं मिल पाई है। गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम लगातार नदी में तुषार की तलाश कर रही है लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल और निगम कमिश्नर लोकेश सर्वे नदी तट पर पहुंचे और अभियान की जानकारी ली। वोरा ने सुबह कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा से फोन पर चर्चा की और तलाशी अभियान में तेजी लाने कहा। कलेक्टर ने बताया कि अब पानी के अंदर तस्वीर लेने वाले कैमरे की मदद से तुषार की तलाश की जाएगी। कल सुबह अपने दोस्तों के साथ नदी गए तुषार साहू एनीकट में बह रहे पानी में फिसल गए। गोताखोरों ने चार दोस्तों को बचा लिया लेकिन तुषार पानी के तेज बहाव में बह गया। कल सुबह से गोताखोरों के साथ एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर बोट से तलाशी का अभियान शुरू कर दिया था। बाद में दो बोट के साथ टीमों ने तलाशी अभियान तेज कर दिया। अब कैमरे की मदद से तलाश की जा रही है। वोरा ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से बारिश के दौरान नदी तट पर जरूरी सावधानी बरतने के नोटिस बोर्ड लगाने, ओवरफ्लो होने पर एनीकट पार करने वालों को रोकने और नदी तट पर खतरनाक तरीके से किसी भी तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने पुलिस का अमला और गाडजू तैनात करने जैसे आवश्यक उपाय करने कहा है। वोरा ने कहा कि अक्सर पानी के बहाव के बावजूद लोग एनीकट पार करने का प्रयास करते हैं।

# महापर्व गुरुपूर्णिमा का प्रचार किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** श्री योग वेदान्त सेवा समिति, युवा सेवा संघ एवं हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा हिन्दू संत श्री आसाराम जी बापू की सत्प्रेणा से महापर्व गुरु पूर्णिमा का सुप्रचार प्रभात फेरी श्री राम चौक खुर्शीपार भिलाई से निकाली गई,यह प्रभात में खुर्शीपार के अलावा और भी जगह से लोग आए हुए थे,कार्य कर्म की सुरुवात जय श्री राम की जय घोष जयकारा करते हुए यात्रा

निकाली गई,यात्रा में ऋषिप्रसाद मासिक पत्रिका का निषुल्क वितरण किया गया,यह फेरी चौक से निकाल कर पूरे खुर्शीपार घुमाये गये, यात्रा का मुख्य उद्देश्य यह था कि सनातन हिन्दू धर्म के महापर्व गुरु पूर्णिमा का प्रचार ,गुरु पूजन सदगुरू जी का होता है जो गुरु जीव को शिव से मिला कर जीवन मुक्ति की राह दिखाते है ऐसे गुरु का पूजन कर गुरु पूर्णिमा महा पर्व मनाई जाती है सभी लोग अपने अपने गुरु का पूजन बड़े आदर सत्कार से इस दिन किये,समिति द्वारा यह जानकारी भी दी गई कि संत श्री आसाराम जी बापू आश्रम बेलौदी दुर्ग में बड़े ही हर्सो उलास के साथ गुरु पूर्णिमा मनाई जाएगी,उक्त जानकारी युवा सेवा संघ द्वारा निकाली गई।

# दुर्ग निगम क्षेत्र में आवारा पशुओं की धरपकड़ अभियान शुरू गोधन को संरक्षित करने रोका छेका संकल्प अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम दुर्ग, क्षेत्र अंतर्गत सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशुओं की धरपकड़ की गई, साथ ही निगम का अमला पशुपालकों से रोका - छेका संकल्प अभियान के तहत पशु मालिकों समझाईश दे रहे है कि वे अपने मवेशी के चारा, पानी सहित समुचित व्यवस्था स्वंय करें।

निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने गोधन को संरक्षित करने रोका छेका संकल्प अभियान के तहत पशु मालिकों को अपने मवेशी की सुरक्षा स्वंय करने, चारा, पानी की समुचित व्यवस्था करने कहा है जिससे अनावश्यक घूमने वाले मवेशियों के चलते

परेशानी न हो।

अतिक्रमण विभाग अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने बताया कि सड़कों पर आवारा पशुओं के घूमते हुए पाए जाने पर उन्हें पकड़ने की कार्यवाही की जा रही है। पकड़े हुए मवेशियों को पुलगांव स्थित गोकुल नगर गोठान में रखा जा रहा है और पशुमालिकों से अर्थदण्ड लेकर लौटाया जाएगा, इसके बाद भी दोबारा पशुपालक के पशु आवारा की तरह सड़कों पर घूमते हुए पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य शासन के द्वारा गोधन को सुरक्षित एवं संरक्षित करने के लिए भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। सड़कों पर आवारा घूमने वाले पशु यातायात में बाधक बनकर दुर्घटना का कारण बनते हैं जिससे होने वाली दुर्घटना में पशुधन एवं जनधन दोनों की हानि होती है। निगमायुक्त प्रकाश सर्वे ने की अपील है कि इससे बचने के लिए पशुपालक अपने पालतू मवेशियों को सड़कों पर आवारा घूमने न दें। आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए अतिक्रमण विभाग के दल राजेश दग्गर,राजू सूर्या,राजू सागर,मन्नी, राधेश्याम,उमेश पात्रे ने पटेल चौक,राजेन्द्र पार्क चौक,रायपुर नाका, मालवीय नगर, ग्रीन चौक,पोटिया कला, केलाबाड़ी, पद्मनाभपुर समेत अन्य स्थानों का निरीक्षण कर आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है और निरन्तर जारी रहेगी। सड़क किनारे घूम रहे कई आवारा पशुओं की पकड़ने के साथ साथ सड़क से भगाया जा रहा है।

# पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आंबे जी की हत्या व बाढ़ आपदा में मृत्यु होने पर दुख व्यक्त कर भाजपा नेताओं ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जापान पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आम्बे की गोली मार कर हत्या किए जाने तथा कल शाम जम्मू कश्मीर में बादल फटने के कारण 15 से अधिक अमरनाथ श्रद्धालु की बाढ़ आपदा से मृत्यु होने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए जिला भारतीय जनता पार्टी की ओर से आज जिला कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन कर उपरोक्त दोनों घटनाओं को दुखद बताते हुए भाजपा नेताओं व भाजपा कार्यकर्ताओ ने दो मिनट मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया ।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री ललित चंद्राकर, भाजपा जिला मंत्री दिनेश देवांगन, भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक शिव चंद्राकर, भाजपा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रदेश सदस्य अजय तिवारी, जिला कार्यकारणी सदस्य संजय बोहरा, मंडल अध्यक्ष दीपक चोपड़ा, मंडल महामंत्री विजय ताम्रकार, व्यापारिक प्रकोष्ठ दुर्ग जिला संयोजक सतविंदर सिंह, मुकेश बेलचंदन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला संयोजिका अल्का बाघमार, पार्षद मनीष साहू, मदन बधाई, अश्वनी चंदेल, कृष्णा निर्मलकर, अमर बोई, अभिलाष यादव, प्रदीप गजपाल, दीपक बघेल, मनोज सोनी, विश्वजीत देशमुख, राहुल देवांगन आदि सहित भाजपा के कार्यकर्ता गण उपस्थित रहें।*

*इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता शिव चंद्राकर ने कहा की दुनिया के सबसे विकसित राष्ट्र जापान में लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहें शिंजो आंबे का गोली मारकर हत्या की जाने की घटना बहुत निंदा जनक तथा कायरता पूर्ण है, जापान का भारत के प्रति बहुत ही मधुर संबंध रहें है पूर्व प्रधानमंत्री आम्बे हमारे देश की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ बहुत ही घनिष्ट संबंध थे। उनके ही कार्यकाल में भारत में बुलेट ट्रेन की स्वप्न पूरा करने तकनीक साधन ही नही अपितु इस परियोजना के लिए 0.1 प्रतिशत ब्याज पर राशि भी उपलब्ध कराई गई जिसके फलस्वरूप यह योजना आज पूर्णता की ओर है, इसी प्रकार स्व आंबे की कार्यकाल में भारत को जापान से कई प्रकार की तकनीक, व आर्थिक सहायता भारत को उपलब्ध हुई है। ऐसे व्यक्ति का निधन होना जापान ही नही भारत एवम दुनिया के लिए अपूर्णीय क्षति है इसी प्रकार जम्मू कश्मीर में बाबा बर्फानी के दर्शन हेतु गए तीर्थ यात्रियों का कल शाम बाबा गुफा के समीफ बादल फटने के कारण 15 से अधिक श्रद्धालुओं की मृत्यु की घटना बहुत ही दुखद है इन दोनो घटना से भाजपा परिवार स्तब्ध व बेहद दुखित है और आज उक्त दिवंगतों की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950